RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 142
दि. 21.09.2025, रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.
Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री ने श्री मोहनलाल जी को दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किये जाने पर बधाई दी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने श्री मोहनलाल जी को दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किये जाने पर बधाई दी है। श्री मोदी ने कहा कि श्री मोहनलाल जी उत्कृष्टता और बहुमुखी प्रतिभा के प्रतीक हैं। श्री मोदी ने कहा, "दशकों के समृद्ध कार्यों के साथ, वे मलयालम सिनेमा और रंगमंच के एक अग्रणी प्रकाश स्तंभ हैं और केरल की संस्कृति के प्रति गहरी आस्था रखते हैं। उन्होंने तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और हिंदी फिल्मों में भी उल्लेखनीय अभिनय किया है। f

आंगनवाड़ी कार्यकताओं और सहायिकाओं ने 8वें राष्ट्रीय पोषण माह के तहत कार निकोबार में पोषण के महत्व को प्रदर्शित किया

कार निकोबार स्थित बिशप जॉन रिचर्डसन अस्पताल के कॉन्फ्रेंस हॉल में पोषण माह 2025 का औपचारिक शुभारंभ 17 सितंबर 2025 को हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत सीडीपीओ के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें 8वें राष्ट्रीय पोषण माह और स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार सुनिश्चित करने के दृष्टिकोण का उल्लेख किया गया। इस अवसर पर आंगनवाड़ी कार्यकताओं और सहायिकाओं ने संतुलित आहार पर एक लघु नाटिका के माध्यम से पोषण के महत्व को दशार्या। स्वास्थ्य और शिक्षा सहित सहयोगी विभागों ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता फैलाने में एकजुट होने पर सहमति व्यक्त की।

विकसित भारत का रास्ता आत्मनिर्भर भारत से गुजरता है : पीएम

गांधीनगर, 20 सितंबर :प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को भावनगर में आयोजित 'समुद्र से समृद्धि' कार्यक्रम में 33,600 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया तथा विभिन्न परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित कीं। उन्होंने शुक्रवार को हुए एमओयू के लिए पोर्ट एवं मरीन क्षेत्र के व्यवसायियों का भी आभार प्रकट किया।

श्री मोदी ने इस कार्यक्रम में स्पष्ट रूप से कहा कि 'चिप से शिप' तक के निर्माण द्वारा आत्मनिर्भरता हासिल कर भारत की समृद्धि का द्वार खोलना है। आज भावनगर 'समुद्र से समृद्धि' की ओर जाने का केन्द्र बना है।

उन्होंने कहा कि 2047 में विकसित भारत के संकल्प में आत्मनिर्भरता मुख्य है। उसकी विभावना पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि सभी दुःखों की एक ही दवा है, वह है आत्मनिर्भरता। भारत का समुद्री किनारा समृद्धि के द्वार खोलने वाला बनने वाला है। भारत सरकार सामुद्रिक विरासत के भारत के पुरातन गौरव को फिर से हासिल करने के लिए मरीन क्षेत्र की नीतियों में परिवर्तन ला रही है।

प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि भारत का कोई दुश्मन नहीं है। अगर दुश्मन है, तो वह दसरे देशों पर निर्भरता है। जितनी विदेशी निर्भरता, उतनी देश की विफलता। विश्व में शांति, स्थिरता तथा समृद्ध के लिए भारत को आत्मनिर्भर बनना ही होगा। हम 140 करोड़ देशवासियों का भविष्य दूसरों पर नहीं छोड़ सकते। जब अन्यों पर निर्भरता भारत के आत्मसम्मान-स्वाभिमान पर प्रहार समान है, तब हमें विश्व बंधुत्व की भावना से 'आत्मनिर्भर भारत' के मंत्र को साकार करना है।

इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि इस मंत्र को साकार करने के लिए समग्र देशवासियों को एक भारत-श्रेष्ठ भारत के ध्येय के साथ कार्य करना होगा। गुजरात के व्यापारी भी उनकी दुकान पर 'गर्व से कहो, यह स्वदेशी है' के स्टिकर लगाकर आत्मनिर्भर भारत की अलख को अधिक मजबूत बनाएं।

उन्होंने आगे कहा कि पोर्ट लेड उद्योग को गति देने तथा क्रूज टूरिज्म को बढ़ाने के लिए मुंबई इंटरनेशनल क्रूज स्टेशन का लोकार्पण हुआ है। गुजरात में भी पोर्ट विकास के अनेक कार्य गति-प्रगति में हैं। गुजरात में भी अलंग के साथ अनेक स्थानों पर शिप बिल्डिंग तथा रिसाइकलिंग के कार्य विकसित हो रहे हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए हमें चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। दुनिया के समक्ष टट्टार खड़ा रहना होगा। भारत में सामर्थ्य की कोई कमी नहीं है। स्वतंत्रता के बाद कांग्रेस ने लाइसेंस तथा कोटा राज में देश के मैरीटाइम के इकोसिस्टम को ठप कर डाला था। पूर्व में विदेशी जहाजों को किराए पर रखना हमारी मजबूरी बन गया था। केवल 5 प्रतिशत ही व्यवसाय रह गया था। भारत विदेशी शिपिंग कंपनियों को हर वर्ष 75 बिलियन (6 लाख करोड़) किराए के रूप में चुकाता था।

सीएम योगी ने लॉन्च किया मिशन शक्ति 5.0 अभियान, बोले- 2017 के पहले प्रदेश में महिला योजनाओं पर डकैती पड़ती थी

लखनऊ (जीएनएस)। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी 1,647 थानों में नवस्थापित मिशन शक्ति केंद्रों का बटन दबाकर उद्घाटन किया. साथ ही, मिशन शक्ति केंद्रों की रडढ पुस्तिकाओं, बुकलेट और 'सशक्त नारी, समृद्ध प्रदेश' फोल्डर का विमोचन भी किया. सीएम ने कहा कि पहले बेटियां सुरक्षित नहीं थीं, लेकिन आज वे खुद अपने रास्ते बना रही हैं.

उन्होंने कहा कि नारी सम्मान उनकी प्राथमिकता है. यही वजह है कि 2017 के बाद से प्रदेश में महिलाओं की स्थिति में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है. सरकार की नीयत साफ होती है, तो योजनाएं खुद अपना रास्ता बना लेती हैं.

मिशन शक्ति का 5वें चरण की शुरूआतः सीएम योगी ने कहा कि मिशन शक्ति के 5वें चरण का शुभारंभ करते हुए गर्व हो रहा है. पांच साल पहले, 2020 में इस अभियान की शुरूआत के समय लोग संशय में थे कि क्या होगा, कैसे होगा, इसकी थीम क्या होगी? लेकिन मिशन शक्ति को नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन से जोड़कर इसे नारी गरिमा के अनुरूप ढाला गया. आज इसके सकारात्मक परिणाम सबके सामने हैं.

महिला पुलिस कर्मचारियों की संख्या बढ़कर 44 हजार हुईः उन्होंने कहा कि इस अभियान ने नारी को सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन का मार्ग दिखाया है, जिसे तेजी से आगे बढ़ाया गया. आजादी के बाद से 2017 तक पुलिस में महिला कर्मचारियों की संख्या महज 10,000 थी, लेकिन 2017 से अब तक यह संख्या 44,000 से अधिक हो गई है. हर भर्ती में 20% महिलाओं को अनिवार्य रूप से शामिल किया जा रहा है. उनको समय पर ट्रेनिंग दी जा रही है. हाल ही में संपन्न 60,200 पुलिस कर्मचारियों की भर्ती में 12 हजार से अधिक महिलाएं शामिल हुई हैं, जो वर्तमान में ट्रेनिंग ले रही हैं.

रक्षा मंत्री 22-23 सितंबर, 2025 को मोरक्को का दौरा करेंगे

(जीएनएस)।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह, मोरक्को के राष्ट्रीय रक्षा मंत्री श्री अब्देलतीफ लौदियी के आमंत्रण पर 22-23 सितंबर, 2025 तक मोरक्को की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा करेंगे। यह भारतीय रक्षा मंत्री की उत्तरी अफ्रीकी देश की पहली यात्रा होगी, जो भारत और मोरक्को के बीच बढ़ते रणनीतिक सहयोग को रेखांकित करती है।

इस यात्रा का एक प्रमुख आकर्षण टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स मोरक्को के बेरेचिड में व्हील्ड आर्मर्ड प्लेटफॉर्म (डब ल यूएचएपी) 8x8 के नए विनिर्माण संयंत्र का उद्घाटन होगा। यह संयंत्र अफ्रीका में पहला भारतीय रक्षा विनिर्माण संयंत्र है, जो एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत भारत के रक्षा उद्योग की बढ़ती वैश्विक उपस्थिति का परिचायक है।

इस यात्रा के दौरान, रक्षा मंत्री रक्षा, रणनीतिक और औद्योगिक सहयोग को मजबूत करने के लिए श्री लौदियी के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। वे औद्योगिक सहयोग के अवसरों के लिए लगाने मोरक्को के उद्योग एवं व्यापार मंत्री श्री रियाद मेजूर से भी मुलाकात करेंगे। श्री राजनाथ सिंह अपनी यात्रा के दौरान रबात में जीवंत भारतीय समुदाय से भी मिलेंगे।

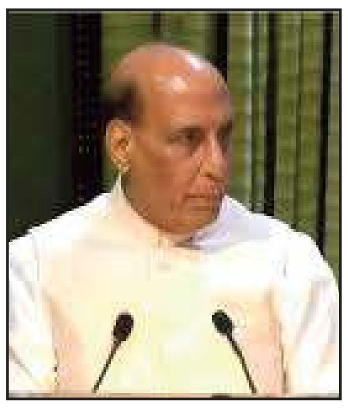

दोनों पक्षों द्वारा रक्षा क्षेत्र में सहयोग पर एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जाने की भी उम्मीद है। यह समझौता ज्ञापन आदान-प्रदान, प्रशिक्षण और औद्योगिक संबंधों सहित द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को विस्तारित और गहन करने के लिए एक संस्थागत ढाँचा प्रदान करेगा। हाल के वर्षों में भारतीय नौसेना के जहाज नियमित रूप से कैसाब्लांका बंदरगाह पर रुकते रहे हैं, और यह समझौता इन संबंधों को और मजबूती प्रदान करेगा।

2015 में भारत में महामहिम राजा मोहम्मद श्क की प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात के बाद से भारत और मोरक्को के बीच संबंधों में तेजी आई है। भविष य में होने वाली यात्रा से इस साझेदारी को, विशेष रूप से रक्षा और रणनीतिक क्षेत्रों में, नई ऊर्जा मिलेगी।

नकल माफिया हाकम सिंह अपने सहयोगी के साथ गिरफ्तार, UKSSSC परीक्षा पास कराने के लिए की थी 15 लाख की डिमांड

(जीएनएस)।

उत्तराखंड पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नकल माफिया हाकम सिंह व उसके सहयोगी को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि अभियुक्तों ने उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की परीक्षा में पास कराने का प्रलोभन देकर अभ्यर्थियो से 12 से 15 लाख रुपए की डिमांड की थी।

पुलिस का दावा है कि अभ्यर्थियों को धोखा देने की नियत से उन्हें गुमराह कर परीक्षा में पास करवाने का प्रलोभन दिया जा रहा था। उससे पहले पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का दावा है कि रविवार 21 सितंबर को होने वाले परीक्षा की सुचिता व गोपनीयता भंग नहीं हुई है। ऐसे में परीक्षार्थियों को किसी तरह का संशय नहीं होना चाहिए।

एसटीएफ और देहरादून पुलिस एसएसपी की संयुक्त प्रेस वार्ता में जानकारी दी गई कि रविवार 21 सितंबर 2025 को उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग देहरादून की ओर से विभिन्न विभागों की स्नातक स्तरीय पदों के लिए लिखित प्रतियोगी परीक्षा आयोजित कराई जा रही है। परीक्षा के दौरान असामाजिक तत्वों के सक्रिय होने और उनके द्वारा अभ्यर्थियों को परीक्षा में पास कराने का प्रलोभन देकर अपने झांसे में लिए जाने की संभावना के चलते पुलिस और एसटीएफ उत्तराखंड की संयुक्त पुलिस टीम को 02 दिन पूर्व गोपनीय रूप से सूचना प्राप्त हुई कि परीक्षा के लिए कुछ लोगों द्वारा गिरोह बनाकर अभ्यर्थियों को धोखा देने की नीयत से उन्हें परीक्षा में पास करने का प्रलोभन देकर मोटी धनराशि की मांग की जा रही है।

सूचना पर संयुक्त टीम द्वारा गोपनीय रूप से जांच/सर्विलांस के माध्यम से जानकारी एकत्रित की गई तो जांच के दौरान पकंज गौड़ नाम के एक अभ्यर्थी का हाकम सिंह के संपर्क में होने की जानकारी प्राप्त हुई और व्यक्ति के द्वारा अभ्यर्थियों से संपर्क कर उन्हें परीक्षा में पास कराने के एवज में 12 से 15 लाख रुपए की मांग की जा रही थी। गोपनीय जांच के आधार पर पुलिस टीम द्वारा अभियुक्तो के संबंध में जानकारी एकत्रित करते हुए 02 अभियुक्तों हाकम सिंह पुत्र केदार सिंह निवासी ग्राम निवाड़ी पोस्ट बैटरी थाना मोरी जनपद उत्तरकाशी उम्र 42 वर्ष और पंकज गौड़ पुत्र केशवानंद गौड़ निवासी ग्राम कंडारी ब्लॉक नौगांव राजस्व थाना कंडारी बड़कोट उत्तरकाशी उम्र 32 वर्ष को पटेल नगर क्षेत्र से हिरासत में लिया गया।

जिनके विरुद्ध कोतवाली पटेल नगर में अभियोग पंजीकृत कराया जा रहा है। अभियुक्तों से पूछताछ में पुलिस टीम को जानकारी प्राप्त हुई कि उक्त अभियुक्तों द्वारा अभ्यर्थियों को धोखा देने की नीयत से परीक्षा में पास कराने का प्रलोभन देकर पैसों की मांग की गयी थी, यदि परीक्षार्थियों का परीक्षाओं में चयन स्वतः हो जाता तो अभियुक्तों द्वारा पैसे को अपने पास स्वयं रख लिया जाता और अभ्यार्थियों का चयन न होने की दशा में अभियुक्तो द्वारा पैसे को आगे की परीक्षाओं में एडजस्ट करने के नाम उन्हें अपने झांसे में लेने की योजना थी।

देहरादून के एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि पूरे प्रकरण की जांच में परीक्षा की सुचिता व गोपनीयता भंग होने को लेकर किसी प्रकार का कोई संशय नहीं है। ऐसे में जो परीक्षार्थी पेपर देने जा रहे हैं, वे किसी भी प्रकार का संशय न रखें।

'टेक्नोलॉजी एन्हांस्ड एनेस्थीसिया केयर' की थीम के साथ तीन दिवसीय सम्मेलन का आयोजन

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल अहमदाबाद में इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थिसियोलॉजिस्ट के वार्षिक सम्मेलन 'आईएसएसीओएन गुजरात 2025' में शामिल हुए

गांधीनगर, 20 सितंबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने शनिवार को अहमदाबाद में इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थिसियोलॉजिस्ट के वार्षिक सम्मेलन 'आईएसएसीओएन गुजरात 2025' का शुभारंभ करते हुए कहा कि सरकार अंतिम छोर के लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत कार्ड नागरिकों के लिए वरदान बन गया है। इस योजना से नागरिकों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं, जिससे नागरिकों का जीवन सुखमय हो गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मेडिकल क्षेत्र में नई टेक्नोलॉजी से जान बचाने का जो काम हो रहा है, वह प्रशंसनीय है। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए तथा राज्य के नागरिकों को उसका लाभ किस प्रकार पहुंचाया जा सकता है, इस संबंध में डॉक्टरों से प्राप्त सुझावों का स्वागत किया।

उल्लेखनीय है कि इस तीन दिवसीय सम्मेलन में तकनीक आधारित एनेस्थीसिया देखभाल की थीम के अंतर्गत अत्याधानुक मॉनिटरिंग सिस्टम, रीयल टाइम एनेस्थीसिया की निगरानी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और ऑटोमेशन, ऑपरेशन के दौरान जटिलताओं का एआई आधारित पूवार्नुमान और पेशेंट सेफ्टी के लिए नई तकनीक सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा और गोष्ठी आयोजित की जाएगी।

इस अवसर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के डॉ. अनिल नायक, इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थिसियोलॉजिस्ट (आईएसए) गुजरात राज्य शाखा के अध्यक्ष डॉ. दीपक मिस्त्री और डॉ. अतुल गांधी सहित चिकित्सा जगत के कई विशेषज्ञ और डॉक्टर मौजूद रहे।

मणिपुर में अज्ञात हमलावरों ने असम राइफल्स पर किया हमला, मेइती और कुकी-जो संगठनों ने जताया कड़ा विरोध

(जीएनएस)।

मणिपुर के बिश्नुपुर जिले में शुक्रवार को असम राइफल्स के जवानों पर घातक हमला होने के बाद शनिवार को मेइती और कुकी-जो संगठनों ने इसे कड़ी निंदा की है। घटना तब हुई जब असम राइफल्स का एक पैरामिलिट्री काफिला इम्फाल वेस्ट से बिश्नुपुर की ओर जा रहा था।

इस दौरान 25 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए नंबोल सबाल लाइकाई क्षेत्र में अज्ञात हमलावरों ने वाहन पर फायरिंग की। इस हमले में कम से कम दो जवान शहीद हुए जबकि पांच अन्य घायल हो गए।

हमले में शहीद हुए जवानों की पहचान नायक सूबेदार श्याम गुरूंग और रायफलमैन रंजीत सिंह कश्यप के रूप में हुई है। घायल जवानों का इलाज स्थानीय अस्पताल में किया जा रहा है और उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है।

कुकी-जो काउंसिल (KZC) ने इस हमले को "कायरतापूर्ण और बेरहमी से किया गया हमला" करार देते हुए निंदा की। काउंसिल ने अपने बयान में कहा कि यह घटना उन क्षेत्रों में हुई जहाँ विशेष सशस्त्र बल (AFSPA) की कोई शक्ति लागू नहीं है। उन्होंने कहा, "हिंसा, भेदभाव और उत्पीड़न के लगातार मामलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मेइती समुदाय के साथ शांति और सहअस्तित्व अब संभव नहीं रहा।"

स्थानीय लोगों ने किया विरोध

घटना के अगले दिन, शनिवार सुबह, बिश्नुपुर जिले के सबाल लाइकाई के स्थानीय लोगों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि फायरिंग में दो जवानों की जान गई और पांच घायल हुए, और यह हमला नागरिकों के लिए भी खतरा बन सकता था। एक स्थानीय ने कहा, "हमने इस कायरतापूर्ण हमले की कड़ी निंदा की। सुरक्षा बलों पर हमला न केवल जवानों के लिए, बल्कि आम नागरिकों के लिए भी खतरा है।"

बता दें कि 21 सितंबर, 1949 को मणिपुर का भारत संघ में विलय हुआ था। लेकिन इस विलय को लेकर कई घाटी-आधारित उग्रवादी गुट अब भी आपत्ति जताते हैं और हर साल इस दिन विरोध दर्ज कराते हैं। इस वर्ष भी इन संगठनों ने बंद का आ'ान किया है और इसी से पहले शुक्रवार को असम राइफल्स के वाहन को निशाना बनाया गया।

हमले के बाद से क्षेत्रीय तनाव की आशंका

बिश्नुपुर, मेइती बहुल घाटी जिला, पहाड़ी जिले चुराचंद्रपुर से सटा हुआ है, जहाँ आदिवासी समुदाय बहुसंख्यक हैं।

वडोदरा डिवीजन स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान अंतर्गत वॉलीबॉल लीग का सफल आयोजन

'स्वच्छता ही सेवा' (SHS) 2025 पूरे देश में 17 सितम्बर से प्रारंभ हुआ, जो 2 अक्टूबर, 2025 को गांधी जयंती के अवसर पर समाप्त होगा। इस वर्ष के अभियान का थीम 'स्वच्छोत्सव' रखा गया है। इस अभियान में कार्यस्थलों, आवासीय क्षेत्रों और सार्वजनिक स्थानों की सफाई, सफाई मित्रों का स्वास्थ्य और सुरक्षा, पर्यावरण मित्र एवं शून्य अपशिष्ट कार्यक्रम और स्वच्छता के प्रति व्यापक जन जागरूकता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

इसी कड़ी में प्रतिभाओं को मंच देने और खेल कूद को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, वडोदरा डिवीजन स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा आज एक भव्य वॉलीबॉल लीग का सफल आयोजन किया गया। इस एक दिवसीय रोमांचक टूनार्मेंट में मंडल के कर्मचारियों और खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह भरा।

इस अवसर पर वडोदरा मंडल के डिवीजनल रेलवे मैनेजर श्री राजू भडके, अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री नीरज धमीजा, वरिष्ठ मंडल बिजली इंजीनियर (पावर) श्री प्रदीप मीणा, वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर (समन्वय) श्री सुमित ठाकुर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं रेलवे कर्मचारी उपस्थित रहे।

सुबह से शुरू हुए इस टूनार्मेंट में मंडल के विभिन्न विभागों ने 12 टीमों ने हिस्सा लिया। लीग-कम-नॉकआउट प्रारूप में खेले गए मैचों में खिलाड़ियों ने अपनी असाधारण प्रतिभा और खेल भावना का परिचय दिया। हर मैच में कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जिससे दर्शकों का जोश लगातार बढ़ता रहा। फाइनल मुकाबला विशेष रूप से रोमांचक रहा, जहाँ अधिकारियों की टीम ने इंजीनियर विभाग को 2-0 के स्कोर से हराकर खिताब अपने नाम किया।

इस सफल आयोजन पर वडोदरा डिवीजन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री प्रदीप मीणा ने कहा, "हम इस भव्य वॉलीबॉल लीग की सफलता से बेहद खुश हैं। हमारा उद्देश्य युवा खिलाड़ियों को एक मंच प्रदान करना और उन्हें अपनी प्रतिभा निखारने के लिए प्रेरित करना है। हमें उम्मीद है कि इस तरह के आयोजन भविष्य में भी होते रहेंगे।"

लीग के अंत में एक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। विजेता टीम को ट्रॉफी से सम्मानित किया गया, उपविजेता टीम को भी ट्रॉफी प्रदान की गई।

एसोसिएशन ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी अधिकारियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

यूटीएस ऐप तथा एटीवीएम से टिकट लेना हुआ और भी आसान

अब अनारक्षित टिकट के लिए लाइन में लगने की आवश्यकता नहीं

यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल में अनारक्षित टिकट बुकिंग की प्रक्रिया को और अधिक सरल और सुगम बना दिया गया है। अब यात्रियों को जनरल टिकट (अनारक्षित टिकट) के लिए लंबी लाइनों में लगने की कोई आवश्यकता नहीं है।

रेलवे ने यात्रियों को दो सुविधाएं प्रदान की हैं झ यूटीएस मोबाइल ऐप (UTS App) और स्वचालित टिकट वितरण मशीन (ATVM)। इन दोनों माध्यमों से यात्री स्वयं टिकट बुक कर सकते हैं, जिससे समय और धन दोनों की बचत होती है।

यूटीएस ऐप (UTS APP) की विशेषताएं:

यात्री अपने मोबाइल फोन से घर बैठे ही टिकट बुक कर सकते हैं।

यात्रा टिकट, सीजन टिकट तथा प्लेटफॉर्म टिकट की सुविधा उपलब्ध।

भुगतान के लिए UPI, डेबिट/क्रेडिट कार्ड तथा R-Wallet का विकल्प उपलब्ध।

R-Wallet रिचार्ज पर 3% बोनस राशि प्राप्त करें।

टिकट खिड़की पर लाइन में लगने की आवश्यकता नहीं।

समय और पैसे की बचत।

छुट्टे पैसे की समस्या नहीं।

पेपरलेस टिकट की सुविधा, जो पर्यावरण के अनुकूल है।

एटीवीएम (ATVM) की विशेषताएं:

यात्री स्टेशन पर स्थित ATVM मशीन से स्वयं टिकट बुक कर सकते हैं।

यात्रा टिकट, सीजन टिकट तथा प्लेटफॉर्म टिकट की सुविधा उपलब्ध।

भुगतान के लिए वढक दफ कोड तथा रेलवे स्मार्ट कार्ड की सुविधा।

रेलवे स्मार्ट कार्ड रिचार्ज पर 3% बोनस राशि प्राप्त करें।

टिकट खिड़की की लंबी लाइनों से मुक्ति।

समय और पैसे दोनों की बचत।

छुट्टे पैसे की समस्या नहीं।

पश्चिम रेलवे यात्रियों से अनुरोध करता है कि वे इन आधुनिक सुविधाओं का लाभ उठाएं और अपनी यात्रा को सरल एवं सुविधाजनक बनाएं। यूटीएस ऐप और एटीवीएम के माध्यम से बुकिंग कर यात्री न केवल समय बचा सकते हैं, बल्कि डिजिटल इंडिया अभियान में भी सहभागी बन सकते हैं।

साबरमती रेलवे अस्पताल में ₹स्वस्थ नारी, स्वस्थ परिवार₹ के अंतर्गत महिलाओं के पोषण एवं स्वास्थ्य पर जागरूकता सत्र आयोजित

बेसिक लाइफ सपोर्ट (BLS) और CPR का के बारे में दी जानकारी

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल द्वारा राष्ट्रव्यापी पहल 'स्वस्थ नारी स्वस्थ परिवार अभियान' के तहत महिलाओं के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। यह अभियान निवारक स्वास्थ्य सेवा, जागरूकता कार्यक्रमों और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने पर केंद्रित है, जिससे मजबूत परिवारों और स्वस्थ समाज की नींव रखी जा सके।

'स्वस्थ नारी, स्वस्थ परिवार' अभियान के अंतर्गत साबरमती मंडल रेलवे अस्पताल में एक स्वास्थ्य जागरूकता वार्ता का आयोजन किया गया। वार्ता का संचालन वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. सुशांत रंजन द्वारा किया गया। उन्होंने महिलाओं, गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं, शिशुओं एवं बच्चों के लिए संतुलित आहार और पोषण संबंधी आवश्यकताओं पर विस्तृत एवं सहज जानकारी साझा की। डॉ. रंजन ने गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए उपयुक्त आहार, आवश्यक औषधीय पूरक आहार, केवल स्तनपान के लाभ, स्तनपान छुड़ाने का उचित समय, एवं पूरक आहार की भूमिका पर विशेष जोर दिया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि स्वस्थ खान-पान की आदतों का विकास, विशेषकर महिलाओं एवं बच्चों में, न केवल व्यक्तिगत बल्कि

पूरे परिवार एवं समुदाय के स्वास्थ्य सुधार में सहायक सिद्ध होता है। इस अवसर पर प्रस्तुत पावरपॉइंट प्रेज़ेंटेशन को उपस्थित जनसमूह ने सराहा। जानकारीपूर्ण, सटीक एवं दृश्य सामग्री से युक्त यह सत्र अत्यंत प्रभावशाली रहा। यह पहल पोषण माह एवं स्वस्थ नारी, स्वस्थ परिवार अभियान के उद्देश्यों के अनुरूप है, जिसका लक्ष्य समाज में पोषण संबंधी जागरूकता बढ़ाना और बेहतर स्वास्थ्य परिणाम सुनिश्चित करना है।

साथ ही डिवीजन रेलवे अस्पताल के ओपीडी में बेसिक लाइफ सपोर्ट (BLS) का प्रदर्शन किया गया। इस सत्र के दौरान सभी प्रतिभागियों को बेसिक लाइफ सपोर्ट, वयस्क कार्डियोपल्मोनरी सेरेब्रल रिससिटेशन (CPCR), ऑटोमेटेड एक्सटर्नल डिफिब्रिलेटर (AED) की कार्यप्रणाली और एक अचेत/बेहोश व्यक्ति की विभिन्न परिस्थितियों में क्या करना चाहिए झ इस बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। उढफ की व्यावहारिक प्रस्तुति मानव आकृति (मैनिकिन) पर की गई, जिसमें जानकारीपूर्ण और सहभागी सत्र में 75 से अधिक लाभार्थियों को संबोधित किया गया।

बिजली विभाग : इंजीनियर की बेहिसाब संपत्ति का सबूतों के साथ पदार्फाश!

अपने पद का इस्तेमाल निजी संपत्ति संचय में करना, राष्ट्र के साथ विश्वासघात से कम नहीं है।

सी॰ एम॰ जैन` भारत में भ्रष्टाचार की कहानियों की कभी कमी नहीं रही, लेकिन कुछ मामले अपनी निडरता, व्यापकता और बेशर्मी के कारण बाकियों से कहीं आगे निकल जाते हैं। डीएनएच और डीडी पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड में सहायक अभियंता के रूप में कार्यरत समीर किशोरकुमार पांड्या की कहानी ऐसा ही एक मामला है। संदिग्ध भूमि सौदों और अस्पष्ट जीवनशैली विकल्पों की अफवाहों से शुरू हुआ यह मामला समय के साथ आय से अधिक संपत्ति, बेनामी लेनदेन, मिलीभगत से धोखाधड़ी और सरकारी पद के दुरुपयोग की ओर इशारा करने वाले सबूतों के एक अकाट्य ढेर में बदल गया है। यह सिर्फ. एक सरकारी कर्मचारी की कहानी नहीं है; यह उस व्यवस्था का आईना है जो अक्सर सार्वजनिक ज़िम्मेदारी वाले व्यक्तियों को चुपचाप अपनी आधिकारिक शक्ति को निजी साम्राज्यों में बदलने की अनुमति देती है।

1997 को विद्युत विभाग में हुई थी नियुक्ति।

ज्ञात हो कि समीर किशोरकुमार पंड्या 13 नवंबर 1997 को दमन और दीव विद्युत विभाग में कनिष्ठ अभियंता के रूप में सरकारी सेवा में शामिल हुए। 8 मई 1972 को जन्मे, उनके करियर का पथ ऊपर से देखने पर एक सामान्य पथ पर ही चलाः वरिष्ठता के माध्यम से पदोन्नति, जिसकी परिणति सहायक अभियंता के रूप में उनके वर्तमान पद पर हुई। कागजी तौर पर, उनका वेतन और वैध आय उन्हें एक मध्यमवर्गीय अधिकारी के दायरे में रखती है। फिर भी, जब कोई उनकी संपत्ति प्रोफाइल की जाँच करता है, तो एक चौंकाने वाला अंतर दिखाई देता हैः संपत्ति, जमीन, कॉर्पोरेट साझेदारियाँ और वित्तीय लेन-देन करोड़ों में हैं, जो किसी भी कानूनी आय स्रोत से उचित नहीं ठहराए जा सकते।

परिवार के नाम पर कई बड़ी ओधोगिक इकाइयां।

समीर पंड्या के निकटतम परिवार में उनकी पत्नी सुमिता समीर पंड्या, पुत्र वरुण और पुत्री इशानी शामिल हैं। साक्ष्य दशार्ते हैं कि सुमिता पंड्या संपत्ति और संपदा संचय में केंद्रीय भूमिका निभाती हैं, और उनका नाम कंपनी साझेदारी और भूमि स्वामित्व अभिलेखों में बार-बार दिखाई देता है। 1. आर.के. पेट प्रोफाइल्स, जो भीमपुर, दमण में स्थित है, जहाँ सुमिता पंड्या, केतन पंड्या के साथ साझेदार हैं। 2. मैक्स एक्सट्रूजन्स प्राइवेट लिमिटेड, सोमनाथ दमन, जहाँ वह दीपक प्रभुदास मिस्त्री के साथ साझेदार हैं। दोनों कंपनियाँ उच्च पूँजी कारोबार वाले क्षेत्रों में काम करती हैं।

35 करोड़ से अधिक कि संपत्ति का मालिक।

प्राप्त जानकारी और सत्यापित अभिलेखों के अनुसार, 2015 और 2020 के बीच, पांड्या परिवार ने कुल 7,793.64 वर्ग मीटर क्षेत्रफल के 22 भूखंड अर्जित किए। इसके अतिरिक्त यदि बाकी तथा कुल संपत्ति का हिसाब लगाए तो 23657 वर्ग मीटर जमीन का पता चलता है जिसमे मकाम, प्लॉट, कंपनियाँ आदि शामिल है, वही यदि उक्त कुल संपत्ति का आज के समय में बाजार भाव से हिसाब किया जाए तो उक्त संपत्ति आज के हिसाब से 35 करोड़ से अधिक कि है। जो एक सहायक अभियंता की कमाई क्षमता से कहीं अधिक है। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि इस आँकड़ों में संयंत्र और मशीनरी, स्टॉक, बैंक बैलेंस, सावधि जमा, डीमैट खाते, सोना, चाँदी या अन्य चल संपत्तियाँ शामिल नहीं हैं। पर कहानी यहीं खत्म नहीं होती।

सूत्रों की माने तो इसके अतिरिक्त भी कई अन्य फ्लैट, बंगले, कृषि भूमि और संपत्तियां भी हो सकती हैं। केवल इतना ही नहीं, कई संपत्तियाँ परिवार के सदस्यों, व्यावसायिक साझेदारों और संभवतः दूर के रिश्तेदारों के नाम पर भी पूर्व में हस्तांतरित भी की गई हो सकती हैं। ऐसा इस लिए क्यों की समीर पांड्या और उनकी पत्नी दोनों दमन और दीव के मूल निवासी नहीं हैं, इसलिए इस बात का संदेह प्रबल है कि उनके मूल क्षेत्रों में माता-पिता, भाई-बहनों या सहयोगियों के नाम पर महत्वपूर्ण संपत्तियाँ हो सकती हैं। और वैसे भी आम तौर पर देखा जाता है की जब भी किसी भ्रष्ट सरकारी अधिकारी के यहाँ छापेमारी होती है तो जमीन से सोना चाँदी निकलता है, नोट गिनने के लिए सरकारी जांच एजेंसियों को नोट गिनने की मशिने मंगवानी पड़ती है और बेनामी संपातियों के कागजात देखकर तो जांच करने वाले अधिकारी खुद भौचक्के रह जाते है। इस मामले में भी जांच एजेंसियों को ऐसा ही कुछ देखने को मिले मिल सकता है। बच छापा पड़ने कि देर है!

स्पष्ट आंकड़े सामने लाने के लिए छापेमारी आवश्यक।

उक्त अभियंता, अभियंता के परिवार के सदस्यों और अन्य सहियोगियों ने मिलकर जनता और सरकार को कुल कितना चुना लगाया इसके स्पष्ट आंकड़े सामने लाने के लिए भी छापेमारी आवश्यक है। छापेमारी के बाद ही यह भी पता चल पाएगा कि एक कनिष्ठ अभियंता अपने वेतन से अपने परिवार के भरण-पोषण, बच्चो कि पढ़ाई लिखाई जैसे आम खर्चो के बाद भी अपने परिवार को करोड़ों कि संपत्ति का मालिक बनाने में कैसे कामियाब हुआ! आम जनता अपनी सालो कि मेहनत और बचत के बाद एक प्लॉट नहीं ले सकती वही उक्त परिवार ने थोड़े ही समय में दर्जनों प्लॉट कैसे हंसिल किए यह एक यक्ष प्रश्न है। आँकड़ों से परे, जनता के विश्वास का सिद्धांत निहित है। भ्रष्टाचार के जरिए गबन किया गया हर एक रुपया जनता से चोरी हैः वे करदाता जो सरकारी वेतन देते हैं, वे नागरिक जो विश्वसनीय बिजली और बुनियादी ढाँचे पर निर्भर हैं। बिजली विभाग के एक अधिकारी, जिसका काम महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे की देखरेख करना है, के लिए अपने पद का इस्तेमाल निजी संपत्ति संचय में करना, राष्ट्र के साथ विश्वासघात से कम नहीं है।

केंद्र सरकार के मंत्रालय/विभाग विशेष अभियान 5.0 के लिए तैयारी चरण की गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल हैं

तैयारी चरण की प्रगति की समीक्षा के लिए नोडल अधिकारियों की तीसरी बैठक आयोजित

इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट और सोशल मीडिया के माध्यम से बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान और प्रचार-प्रसार किया गया, जिसमें 307 ट्वीट, 45 पीआईबी वक्तव्य और सोशल मीडिया पर #Specialcampaign5 का प्रचार-प्रसार हुआ

मंत्रालय/विभाग अभियान को संपूर्ण करेंगे

(जीएनएस)।

प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग को नोडल विभाग बनाकर सरकार की ओर से शुरू किए गए विशेष अभियान 5.0 ने अपने तैयारी चरण में उल्लेखनीय गति प्राप्त की है। विशेष अभियान 5.0,2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2025 तक कार्यान्वयन चरण में प्रवेश करेगा, जिसके पहले 15 सितंबर 2025 से 30 सितंबर 2025 तक तैयारी चरण जारी है।

इस चरण के दौरान, मंत्रालयों/विभागों ने अपने-अपने संबद्ध/ अधीनस्थ कार्यालयों/ सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों/स्वायत्त संगठनों में स्थित अभियान कार्यालयों में नोडल अधिकारियों को नामित किया और उन्हें अभियान में उनकी भूमिकाओं को लेकर प्रशिक्षित किया। इसमें क्षेत्रीय कार्यकताओं को संगठित करना, लंबित मामलों की पहचान करना, स्वच्छता अभियान के लिए कार्यालयों की सूची को अंतिम रूप देना, निपटाए जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक/ऑटोमोबाइल/कार्यालय स्क्रैप की मात्रा का आकलन करना और उनके निपटान की प्रक्रियाओं को अंतिम रूप देना जैसी विभिन्न गतिविधियां शामिल थीं। उन्होंने कार्यालय स्थानों के विस्तार, डिजिटलीकरण प्रक्रियाओं, स्क्रैप निपटान प्रक्रियाओं, स्वच्छता प्रोटोकॉल, समावेशी उपायों और अभिलेखों की छंटाई तथा ऐतिहासिक अभिलेखों के संरक्षण हेतु अभिलेख प्रबंधन प्रक्रियाओं की योजनाएं भी शुरू कीं।

विशेष अभियान 5.0 की प्रगति की निगरानी एक समर्पित वेब-पोर्टल के माध्यम से की जाएगी। सभी मंत्रालय/विभाग इस अभियान के प्रारंभिक चरण के लक्ष्य विशेष अभियान 5.0 वेब पोर्टल पर अपलोड करेंगे। प्रारंभिक चरण 15 सितंबर 2025 को शुरू हुआ। उल्लेखनीय है कि भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार विशेष अभियान 5.0 के तहत 10 से 14 अक्टूबर 2025 तक "सुशासन और अभिलेख प्रदर्शनी" का आयोजन करेगा। यह प्रदर्शनी विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों के ऐतिहासिक विकास पर केंद्रित होगी और इसमें इन मंत्रालयों द्वारा योगदान किए गए महत्वपूर्ण अभिलेखीय अभिलेखों को प्रदर्शित किया जाएगा।

स्वच्छता और लंबित मामलों के निपटान हेतु विशेष अभियान 5.0 के नोडल अधिकारियों के साथ तीसरी बैठक प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) के सचिव श्री वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में की गई। इस बैठक में प्रारंभिक चरण की गतिविधियों की समीक्षा की गई। इस बैठक में 84 मंत्रालयों/विभागों के 190 से अधिक वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) ने एससीडीपीएम 5.0 पोर्टल का प्रदर्शन किया और नोडल अधिकारियों को डेटा अपलोड करने और लक्ष्यों की निगरानी के बारे में मार्गदर्शन दिया। कई मंत्रालयों/विभागों ने भी अपनी प्रारंभिक प्रगति और योजनाओं को साझा कियाः रक्षा मंत्रालय, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी), संस्कृति मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग और पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी) ने विशेष अभियान 4.0 की प्रमुख उपलब्धियों को प्रदर्शित किया और विशेष अभियान 5.0 की योजनाएं प्रस्तुत कीं।

इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट और सोशल मीडिया के माध्यम से बड़े पैमाने पर जागरूकता पैदा करने और अभियान की पैरवी करने का काम किया जा रहा है। अब तक #रस्रीं 'ुंसॅल्ल5 के तहत 307 ट्वीट और 45 पीआईबी वक्तव्य जारी किए जा चुके हैं, जो विशेष अभियान 5.0 में व्यापक भागीदारी के संकेत हैं। प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग सुशासन सप्ताह 2025 की गतिविधियों के हिस्से के रूप में विशेष अभियान 5.0 के तहत सर्वोत्तम प्रथाओं का एक संग्रह प्रस्तुत करेगा।

रेलवे ने यात्रियों को दी बड़ी सौगात! रेलनीर की कीमत में कटौती, अब 15 में नहीं इतने में मिलेगा पानी

(जीएनएस)। केंद्रीय सरकार ने उपभोक्ताओं को सीधा लाभ पहुंचाने और जीवनोपयोगी वस्तुओं की कीमतों में राहत देने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसी दिशा में सरकार ने रेल नीर की कीमतों में GST कटौती का लाभ सीधे उपभोक्ताओं तक पहुँचाने का निर्णय लिया है।

इससे आम जनता को दैनिक जरूरतों की वस्तुओं पर आर्थिक राहत मिलेगी और महंगाई के दबाव को कम करने में मदद होगी। सरकार का यह कदम उपभोक्ताओं के हित को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, ताकि सभी वर्गों के लोग आसानी से सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल का उपयोग कर सकें।

RÔil Neer price cut

अब कितने का मिलेगा?

रेलवे बोर्ड के ताजा सर्कुलर के अनुसार रेलवे और IRCTC में बिकने वाले पैकेज्ड वॉटर की कीमतों में कटौती की गई हैः

1 लीटर की बोतलः ₹15 से घटाकर ₹14 (1 रुपए की कमी)

500 मिलीलीटर की बोतलः ₹10 से घटाकर ₹9 (1 रुपए की कमी)

इसका मतलब है कि दोनों कैपेसिटी की बोतलों पर 1-1 रुपए की कीमत कम कर दी गई है, और यह बदलाव 22 सितंबर 2025 से लागू होगा।

क्यों घटाई गई रेलनीर की कीमत?

रेल मंत्रालय ने यह कटौती इसलिए की है ताकि GST कम किए जाने का सीधा लाभ यात्रियों और उपभोक्ताओं तक पहुंच सके। इसके तहत 1 लीटर की RÔil Neer बोतल की कीमत ₹15 से घटाकर ₹14 और 500 मिलीलीटर की बोतल की कीमत ₹10 से घटाकर ₹9 कर दी गई है। इस कदम से यात्रियों को पैकेज्ड पानी सस्ता उपलब्ध होगा और उनकी जेब पर बोझ कम होगा।

ये भी पढें: फ्रॅ ंरिँ-डं१ल्लस्र१८ॅ फ्रं छल्लीः देश की सबसे लंबी दोहरी रेल सुरंग का निर्माण पूरा, जानिए अब कितना काम बचा

सरकार ने हाल ही में कई जरूरी चीज पर कम की है GST

भारत सरकार ने हाल ही में रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं पर GST दरों में बड़ी कटौती की है। इसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को सीधे आर्थिक राहत देना और घरेलू मांग को बढ़ावा देना है। अब कई आवश्यक सामानों पर GST 12% और 18% से घटाकर 5% कर दिया गया है। इससे रिटेल दुकानों पर इन उत्पादों की कीमतों में तुरंत कमी दिखाई देगी, जो घर के मासिक खर्च को कम करने में मदद करेगी। दुकानदारों को आगामी 22 सितंबर से उन सभी वस्तुओं के नए दाम दुकान के बाहर प्रदर्शित करने होंगे जिनकी GST दरों में बदलाव किया गया है।

एच-1बी वीजा पर आए इंडियन प्रोफेशनल्स को क्यों घबराने की जरूरत नहीं है? अमेरिकी अधिकारी ने दिया ये बड़ा अपडेट

(जीएनएस)।

एच-1बी वीजा धारकों में 70% से अधिक भारतीय होते हैं। डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा इस वीजा की फीस बढ़ए जाने के बाद आईटी प्रोफेशनल्`स सदमे में आ गए थे। अमेरिकी अधिकारी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की H-1B वीजा पर चौंकाने वाली घोषणा के बाद टेक कंपनियों के बीच अफरातफरी मच गई थी और कंपनियों ने अपने कर्मचारियों को अमेरिका तुरंत वापस लौटने का आदेश दे दिया था लेकिनअब उन्हें घबराने की जरूरत नहीं हैं और ना ही तुरंत वापस लौटने की जरूरत है।

एक अमेरिकी अधिकारी ने स्पष्ट किया, "H1B वीजा पर भारतीयों को रविवार तक लौटने की जरूरत नहीं है और ना ही अमेरिका से प्रवेश करने के लिए 1 लाख डॉलर का भुगतान करने की आवश्यकता है।" यह स्पष्टीकरण ट्रम्प प्रशासन द्वारा प्रत्येक H-1B वीजा कर्मचारी पर अमेरिकी कंपनियों के लिए $100,000 वार्षिक शुल्क लगाने के बाद आया है।

यह कदम भारतीयों को गंभीर रूप से प्रभावित करता है, क्योंकि इन वीजा धारकों में 70% भारतीय होते हैं। अमेरिकी अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि ल्ह-1इ वीजा पर नया शुल्क "केवल नए वीजा अप्`लीकेशन पर लागू होगा, नवीनीकरण पर नहीं"।

अधिकारी की यह टिप्पणी उन कई टेक कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत लेकर आई है, जो पहले माइक्रोसॉफ्ट, अमेजॅन, मेटा और जेपी मॉर्गन जैसी कई टेक फर्मों से मिले नोटिस से चिंतित थे। इन कंपनियों ने कर्मचारियों से अमेरिका में ही रहने का आग्रह किया था, और देश से बाहर के लोगों से 21 सितंबर को 12:01 बजे एउ्ळ से पहले लौटने को कहा था।

भावनगर मंडल के वेरावल पोस्ट के रेलवे सुरक्षा बल ने यात्री को ₹2.69 लाख कीमत का सामान लौटाया

पश्चिम रेलवे, भावनगर मंडल के कर्मचारी सदैव यात्रियों की सुरक्षा एवं सुविधा को प्राथमिकता देते हुए हर संभव मदद के लिए तत्पर रहते हैं। इसी क्रम में रेलवे सुरक्षा बल (RPF) वेरावल पोस्ट के जवानों ने ईमानदारी और सजगता का परिचय देते हुए एक यात्री का कीमती पिट्ठू बैग सही-सलामत वापस सौंपा, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग ₹2,69,000/- थी।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 17 सितम्बर, 2025 (बुधवार) को एएसआई श्री विकास यादव अपने स्टाफ के साथ गश्त के दौरान वेरावल स्टेशन के बुकिंग ऑफिस के सामने एक काला लावारिस पिट्ठू बैग पाया। आस-पास यात्रियों से पूछताछ करने पर कोई जानकारी प्राप्त न होने पर पंचों की उपस्थिति में बैग की जाँच की गई, जिसमें एक मोबाइल नंबर मिला।

उस नंबर पर संपर्क करने पर ज्ञात हुआ कि यह बैग यात्री श्री कमलेश का है, जो ट्रेन संख्या 19119 सवारी गाड़ी से राजकोट से वेरावल यात्रा कर रहे थे और अनजाने में स्टेशन पर बैग छूट गया था। तत्पश्चात आरपीएफ द्वारा यात्री से संपर्क कर जानकारी दी गई और उनके वेरावल पोस्ट पर पहुँचने पर सामान की पहचान कराकर बैग उन्हें सुरक्षित सौंप दिया गया।

बैग में एप्पल कंपनी का आईपैड, डेल कंपनी का लैपटॉप, एप्पल की डिजिटल घड़ी, एयरपॉड्स, रेडमी कंपनी का मोबाइल, एप्पल का पावर बैंक, हार्ड डिस्क, अरमानी का चश्मा, चार्जर एवं दस्तावेज फाइल आदि सामान मौजूद था। यात्री ने इनकी कुल कीमत लगभग ₹2,69,000/- बताई।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

वैश्वि कूटनीति में घालमेल

इन दिनों विश्व राजनीति में कौन किसके साथ खड़ा है, यह पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1267 के प्रतिबंध समिति के सामने पाकिस्तान ने अपने सदाबहार मित्र चीन के साथ मिलकर बलूचिस्तान के विद्रोही गुटों बीएलए यानि बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी और मजीद ब्रिगेड के खिलाफ आतंकी सूची में डलवाकर देश और विदेशों में उनकी यात्रा पर रोक लगवाने तथा उनकी संपत्तियों को जप्त करने के उद्देश्य से प्रस्ताव लाया कितु अमेरिका, ब्रिटेन और प्रांस ने उसके प्रस्ताव का विरोध करके दोनों के प्रयासों को असफल कर दिया। मजे की बात है कि पाकिस्तान ने बड़ी दौड़ धूप करके अमेरिका द्वारा इन दोनों संगठनों को विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकी संगठन (एसडीजीटी) की सूची में शामिल करके विदेशी आतंकी संगठन घोषित कराया था।

दरअसल संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1267 के मुताबिक मात्र उन संगठनों को ही यूएन प्रतिबंध समिति आतंकी सूची में डालता है जिनका अलकायदा और आईएसआईएस से संबंध हो। 1999 में जिस 1267 प्रस्ताव का प्रावधान किया गया था, उसका ईमानदारी से पालन किया होता तो तमाम आतंकी संगठनों या आतंकियों पर प्रतिबंध लग जाते और वे अपने सही ठिकाने यानि जेल में होते। लेकिन पाकिस्तान उन्हें अपना नागरिक बताकर अपने मित्र चीन से वीटो लगवा कर यूएन में बचा लेता है। यही है यूएन के स्थाई सदस्यों का दोहरा चरित्र।

असल में संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि असीम इफ्तिखार अहमद ने एक प्रस्ताव पेश किया जिसमें स्पष्ट रूप से दावा किया गया कि आईएसआईएस के अलकायदा तहरीके तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी), बीएलए और उसकी मजीद ब्रिगेड जैसे आतंकी संगठन अफगानिस्तान से संचालित हो रहे हैं और वहीं से पाकिस्तान में सीमापार से हमले कर रहे हैं। यही नहीं पाकिस्तान के प्रतिनिधि ने यह भी दावा किया कि आतंकवाद–पाकिस्तान की प्रमुख राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौती है और इसके लिए अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को अपने अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दायित्व को पूरा करना चाहिए।

पाकिस्तान और चीन के इस तर्क को अमेरिका उसके सहयोगी देशों ने खारिज करते हुए स्पष्ट कर दिया कि बीएलए और मजीद ब्रिगेड को अलकायदा और आईएसआईएस से संबंध का कोई प्रमाण नहीं है। यदि पाकिस्तान और चीन का यह प्रस्ताव स्वीकार हो जाता तो यह चीन और पाकिस्तान दोनों की बहुत बड़ी जीत होती। अमेरिका ने तो इससे पहले 2019 में भी बीएलए और मजीद ब्रिगेड को एसडीजीटी की सूची में नामित किया था।

सच तो यह है कि बीएलए और मजीद ब्रिगेड ने न सिर्फ पाकिस्तान की नाक में दम कर रखा है बल्कि चीन भी उनसे बहुत परेशान है। चीन इन्हीं दोनों संगठनों के विरोध के कारण ग्वादर बंदरगाह को विकसित नहीं कर पा रहा है और इन्हीं दोनों संगठनों की वजह से बलूचिस्तान से खनिज पदार्थो की खुदाई कर पाने में सफल भी नहीं हो पा रहा है। पाकिस्तान की आर्मी ने चीन के इंजीनियरों की सुरक्षा के लिए इस राज्य को भयाक्रांत करने के उद्देश्य से ही क्रूरता की हदें पार कर दी हैं। बलूचिस्तान के लोग जितना पाकिस्तान की सेना और सरकार से घृणा करते हैं, उतना ही उन चीनी इंजीनियरों एवं चीन की कंपनी के कार्मियों से भी नफरत करते हैं। बहरहाल पाकिस्तान को गलतफहमी हुई कि यदि बीएलए और मजीद ब्रिगेड को यूएन प्रस्ताव के तहत आतंकी घोषित करने में अमेरिका मदद कर देगा तो उसके सहयोगी ब्रिटेन और फ्रांस भी साथ दे सकते हैं। कितु उसकी यह चालबाजी काम नहीं आई। पाकिस्तान की सक्रियता का सबसे बड़ा कारण है कि उसे यह गलतफहमी हो गई है कि भारत और अमेरिका के बीच कूटनीतिक, सुरक्षा और खुफिया तंत्र सहयोग के क्रम खत्म हो चुके हैं। वह इतनी सरल बात भी स्वीकार नहीं कर पा रहा है कि इन दिनों नई दिल्ली और वाशिंगटन डीसी के जो संबंध खराब दिख रहे हैं वे असल में दोनों देशों के स्थाई संबंध नहीं हैं, बल्कि अस्थाई दौर है।

एनसीएच : उपभोक्ता मामले विभाग, भारत सरकार, अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार 2025 के हिस्से के रूप में राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) पर जीएसटी शिकायत निवारण को बेहतर बनाता है

उपभोक्ता मामले विभाग, भारत सरकार, अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार 2025 के हिस्से के रूप में राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) पर जीएसटी शिकायत निवारण को बेहतर बनाता है

एनसीएच ने समर्पित जीएसटी उप-श्रेणी के माध्यम से उपभोक्ता सशक्तिकरण को मजबूत किया

प्रविष्टि तिथिः 20 रएढ 2025 11:42अट‸८ ढक्ह ॐ

उपभोक्ता मामले विभाग ने राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) को केंद्रीय वित्त मंत्री की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद की 56 वीं बैठक के दौरान अनुमोदित अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार 2025 के साथ संरेखित करने के लिए कदम उठाए हैं और यह माननीय प्रधानमंत्री द्वारा स्वतंत्रता दिवस 2025 के संबोधन में व्यक्त किए गए दृष्टिकोण के अनुसार है।

22.09.2025 से प्रभावी संशोधित जीएसटी शुल्कों, दरों और छूटों के कार्यान्वयन के बाद एनसीएच पर अपेक्षित उपभोक्ता प्रश्नों और शिकायतों के समाधान के लिए, आईएनजीआरएएम पोर्टल पर एक समर्पित श्रेणी शुरू की गई है। इस श्रेणी में ऑटोमोबाइल, बैंकिंग, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं, ई-कॉमर्स, एफएमसीजी और अन्य सहित प्रमुख उप-श्रेणियां शामिल हैं, जिनमें जीएसटी से संबंधित शिकायतें दर्ज की जाएंगी।

इस पहल की तैयारी के लिए, केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के अधिकारियों द्वारा 11.09.2025 को एक उद्घाटन प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया ताकि एनसीएच परामर्शदाताओं को जीएसटी से संबंधित प्रश्नों और शिकायतों का प्रभावी ढंग से समाधान करने में योग्य बनाया जा सके। हाल ही में, सचिव (उपभोक्ता मामले) की अध्यक्षता में 17.09.2025 को एक हितधारक परामर्श बैठक आयोजित की गई जिसमें प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, उद्योग संघों के प्रतिनिधियों और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तु कंपनियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान, प्रतिभागियों से विशिष्ट वस्तुओं और सेवाओं पर जीएसटी दरों में कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने का आग्रह किया गया।

यह हेल्पलाइन इस क्षेत्र में उपभोक्ता शिकायतों से प्राप्त आंकड़ों और जानकारियों को संबंधित कंपनियों, सीबीआईसी और अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ साझा करेगी ताकि संबंधित कानूनों के तहत समय पर कार्रवाई संभव हो सके। इस पहल से जीएसटी अनुपालन को मजबूत करने और उपभोक्ताओं को निष्पक्ष बाजार प्रथाओं में सक्रिय हितधारक बनने के लिए सशक्त बनाकर एक सहभागी शासन मॉडल को बढ़ावा मिलने की आशा है।

राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (६६६.ङ्ग्ल्ल२ॐ१ॅ'स्र'ल्ली.ॅङ्ग५.ल्ल) देश भर के उपभोक्ताओं के लिए मुकदमे-पूर्व चरण में शिकायत दर्ज कराने हेतु एकीकृत केंद्र के रूप में उभरी है। उपभोक्ता अब टोल-फ्री नंबर 1915 या एकीकृत शिकायत निवारण तंत्र (आईएनजीआरएएम) के माध्यम से 17 भाषाओं (हिंदी, अंग्रेजी, कश्मीरी, पंजाबी, नेपाली, गुजराती, मराठी, कन्नड़, तेलुगु, तमिल, मलयालम, मैथिली, संथाली, बंगाली, उड़िया, असमिया और मणिपुरी सहित) में अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं। यह सर्व-चैनल आईटी-सक्षम प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप, एसएमएस, ईमेल, एनसीएच ऐप, वेब पोर्टल और उमंग ऐप सहित कई पंजीकरण मोड का समर्थन करता है, जो उपभोक्ताओं को सुविधा और सुगमयता प्रदान करता है।

पिछले कुछ वर्षों में, एनसीएच निजी कंपनियों, नियामकों, लोकपाल और सरकारी एजेंसियों सहित 1,142 कन्वर्जेंस भागीदारों के साथ सहयोग से एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में विकसित हुआ है, जिससे केंद्रीकृत और जल्द शिकायत समाधान संभव हुआ है। पारदर्शी ट्रैकिंग और समाधान के लिए प्रत्येक शिकायत को एक विशिष्ट डॉकेट नंबर दिया जाता है। इस प्लेटफॉर्म पर वर्तमान में प्रति माह एक लाख से ज्यादा शिकायतें आती हैं , जो बढ़ते उपभोक्ता विश्वास को दर्ज कराता है।

एनसीएच के तकनीकी परिवर्तन ने इसकी कॉल-हैंडलिंग क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि की है। एनसीएच को प्राप्त कॉलों की संख्या दिसंबर 2015 में 12,553 से दस गुना से भी अधिक बढ़कर दिसंबर 2024 में 1,55,138 हो गई है। यह अभूतपूर्व वृद्धि हेल्पलाइन में उपभोक्ताओं के बढ़ते विश्वास को सुनिश्चित करती है। इसी प्रकार, प्रति माह दर्ज होने वाली शिकायतों की औसत संख्या 2017 में 37,062 से बढ़कर 2025 में 1,70,585 हो गई है। डिजिटल माध्यमों की शुरूआत के साथ, हेल्पलाइन पर लगभग 65 प्रतिशत उपभोक्ता शिकायतें ऑनलाइन और डिजिटल माध्यमों से दर्ज की जाती हैं।

महान अभिनेता, निर्देशक और निमार्ता मोहनलाल को भारतीय सिनेमा में उनके विशिष्ट योगदान के लिए 71वें राष्ट्रीय पुरस्कारों के दौरान वर्ष 2023 के दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा

केरल से लेकर दुनिया भर के दर्शकों तक, श्री मोहनलाल के कार्यों ने हमारी संस्कृति का उत्सव मनाया है और हमारी आकांक्षाओं को परिलक्षित किया है, उनकी विरासत भारत की रचनात्मक भावना को प्रेरित करती रहेगीः श्री अश्विनी वैष्णव

(जीएनएस)।

दादा साहब फाल्के पुरस्कार चयन समिति की सिफारिश पर, भारत सरकार ने आज घोषणा की कि श्री मोहनलाल को वर्ष 2023 के लिए प्रतिष्ठित दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। महान अभिनेता, निर्देशक और निमार्ता को भारतीय सिनेमा में उनके विशिष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया जा रहा है। यह पुरस्कार उन्हें 23 सितंबर, 2025 को 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में प्रदान किया जाएगा।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण, रेलवे और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज भारतीय सिनेमा में श्री मोहनलाल के असाधारण योगदान के सम्मान में पुरस्कार की घोषणा करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की।

श्री मोहनलाल की उल्लेखनीय सिनेमा यात्रा पीढ़ियों को प्रेरणा देती रहेगी। उनकी बेजोड़ एवं बहुमुखी प्रतिभा और निरंतर कड़ी मेहनत ने भारतीय फिल्म इतिहास में स्वर्णिम मानक स्थापित किया है।

श्री मोहनलाल के विषय में

श्री मोहनलाल विश्वनाथन नायर (जन्म 21 मई 1960, केरल) एक प्रशंसित भारतीय अभिनेता, निमार्ता और पार्श्व गायक हैं, जिन्हें मलयालम सिनेमा में उनके काम के लिए जाना जाता है। वह व्यापक रूप से एक "पूर्ण अभिनेता" के रूप में जाने जाते हैं। लगभग पांच दशकों के अपने करियर में वह 360 से अधिक फिल्मों में दिखाई दिए हैं, जिन्होंने किरीडम, भारतम, वानप्रस्थम, दृश्यम और ऐसी अन्य कई फिल्में हैं जिनमें उन्होंने ऐतिहासिक प्रदर्शन किया है।

श्री मोहनलाल ने भारत और विदेश में कई अन्य सम्मानों के साथ पांच राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और केरल में कई राज्य फिल्म पुरस्कार जीते हैं। 1999 में उनकी फिल्म वानप्रस्थम कान्स अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में प्रदर्शित हुई, जिससे उन्हें अंतर्राष्ट्रीय पहचान मिली।

सिनेमा के अलावा, उन्हें 2009 में भारतीय प्रादेशिक सेना में मानद लेफ्टिनेंट कर्नल के रूप में नियुक्त किया गया था। भारत सरकार द्वारा उन्हें 2001 में पद्मश्री और 2019 में पद्म भूषण से भी सम्मानित किया गया है। आज, मोहनलाल भारत के सबसे सम्मानित सांस्कृतिक प्रतीकों में से एक हैं, जिन्हें उनकी बहुमुखी प्रतिभा, विनम्रता और विश्व सिनेमा में उनके स्थायी योगदान के लिए सराहा जाता है।

दादा साहब फाल्के पुरस्कार के विषय में

भारतीय सिनेमा में दादासाहेब फाल्के के योगदान को याद करने के लिए भारत सरकार ने 1969 में देविका रानी को दादा साहेब फाल्के पुरस्कार प्रदान किया था, जिन्होंने 1913 में भारत की पहली फुल-लेंथ फीचर फिल्म, राजा हरिश्चंद्र का निर्देशन किया था। सिनेमा के क्षेत्र में सर्वोच्च पुरस्कार से सम्मानित पुरस्कार विजेताओं को 'भारतीय सिनेमा के विकास और प्रगति में उनके उत्कृष्ट योगदान' के लिए सम्मानित किया जाता है। इस पुरस्कार में एक स्वर्ण कमल पदक, एक शॉल और 10 लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाता है।

दादा साहब फाल्के पुरस्कार चयन समिति में निम्नलिखित सदस्य शामिल थेः

श्री मिथुन चक्रवर्ती
श्री शंकर महादेवन
श्री आशुतोष गोवारिकर

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने भारत में लॉजिस्टिक्स लागत के आकलन पर रिपोर्ट जारी की, जिससे डेटा-आधारित लॉजिस्टिक्स योजना को मजबूती मिलेगी

यह दशक मेक इन इंडिया काः सरकार ने प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए व्यापक लॉजिस्टिक्स लागत के आकलन का अनावरण किया

(जीएनएस)।

"मेक इन इंडिया" के एक दशक पूरे होने के उपलक्ष्य पर, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने आज नई दिल्ली में भारत में लॉजिस्टिक्स लागत के आकलन पर रिपोर्ट जारी की। पहली बार, भारत में लॉजिस्टिक्स लागत का एक व्यापक और वैज्ञानिक तरीके से प्राप्त किया गया अनुमान होगा, जिसमें द्वितीयक आंकड़ों को राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षणों के साथ मिलाकर एक मिश्रित पद्धति का उपयोग किया जाएगा। यह पहल राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति (2022) के उस आदेश का अनुसरण करती है, जिसके अंतर्गत लॉजिस्टिक्स लागतों को मापने और उन्हें वैश्विक प्रथाओं के अनुरूप मानकीकृत करने हेतु एक समान ढांचा स्थापित किया जाना है।

श्री गोयल ने इस विषय पर प्रकाश डाला कि सरकार ने लॉजिस्टिक्स को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने और भारत में व्यापार की लागत कम करने के लिए कई पहल की हैं। उन्होंने कहा कि उद्योग एवं वाणिज्य विभाग की ओर से तैयार किए गए अध्ययन और रिपोर्ट लॉजिस्टिक्स लागत से जुड़े प्रमुख मुद्दों की पहचान करने में मदद कर रहे हैं। प्रत्येक हामोर्नाइज्ड सिस्टम ऑफ नोमेनक्लेचर (एचएसएन) कोड को संबंधित मंत्रालय से जोड़ने जैसे प्रयास

समन्वय को सुव्यवस्थित करते हैं और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वाताओं में भारत की स्थिति को मजबूत करते हैं। उन्होंने आगे जोर देकर कहा कि लॉजिस्टिक्स डेटा बैंक का निर्माण, एडीबी के सहयोग से स्माइल कार्यक्रम के अंतर्गत एकीकृत राज्य और शहर लॉजिस्टिक्स योजनाओं का कार्यान्वयन, और एनआईसीडीसी एवं अन्य एजेंसियों की ओर से संचालित इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं का उद्देश्य मौजूदा सुविधाओं का आकलन करना, परिवहन और कनेक्टिविटी में सुधार करना और कमियों को घटाना है। ये उपाय, जीएसटी कार्यान्वयन और युक्तिकरण जैसे सुधारों के साथ, लॉजिस्टिक्स लागत कम करने, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और प्रतिस्पर्धात्मकता को प्रोत्साहन देने के चल रहे प्रयासों के केंद्र में हैं।

अब तक, भारत में लॉजिस्टिक्स लागत को अक्सर गलत तरीके से प्रस्तुत किया जाता था, और आमतौर पर बाहरी अध्ययनों या आंशिक डेटासेट से प्राप्त जीडीपी के 13-14% के आंकड़े बताए जाते थे। इससे विसंगत अनुमान सामने आते थे, जिससे नीति निर्माताओं और वैश्विक हितधारकों के बीच भ्रम की स्थिति पैदा होती थी। एनसीएईआर की ओर से डीपीआईआईटी के लिए तैयार किए गए वर्तमान आकलन के अनुसार, भारत में लॉजिस्टिक्स लागत कुल जीडीपी का लगभग 7.97% होने का अनुमान है।

यह रिपोर्ट कई परिवहन साधनों, उत्पाद श्रेणियों और फर्म आकारों में लॉजिस्टिक्स लागतों को शामिल करके एक व्यापक रूपरेखा प्रदान करती है। यह प्रति टन-किलोमीटर माल ढुलाई लागत का अनुमान भी देती है और क्षमता बढ़ाने में बहु-विधता की भूमिका पर प्रकाश डालती है। साक्ष्य-आधारित मार्गदर्शन देकर, यह अध्ययन प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार के भारत के प्रयासों को मजबूत करता है और देश को एक वैश्विक लॉजिस्टिक्स केंद्र के तौर पर स्थापित करने के व्यापक दृष्टिकोण में सहयोग करता है।

बीते पांच वर्ष के अनुमान बताते हैं कि गैर-सेवा उत्पादन की तुलना में लॉजिस्टिक्स लागत की बढ़ोतरी दर धीरे-धीरे धीमी हो रही है। इस सुधार का श्रेय प्रधानमंत्री गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान, समर्पित माल ढुलाई गलियारे, भारतमाला परियोजना, सागरमाला परियोजना, एकीकृत चेक पोस्ट, एकीकृत रसद इंटरफेस प्लेटफॉर्म (यूएलआईपी) का विकास और रसद दक्षता संवर्धन कार्यक्रम (लीप) जैसी पहलों को दिया जा सकता है।

नोएडा और मथुरा के आसमान में देर रात क्या दिखा? मोबाइल में कैद हुआ आसमानी रहस्य

(जीएनएस)।

19 और 20 सितंबर की दरम्यानी रात दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम समेत मथुरा में शुक्रवार रात आसमान में एक अद्भुत खगोलीय घटना देखने को मिली। एक तेज चमकते उल्कापिंड (टीॐङ्ग१) ने दिल्ली-एनसीआर और मथुरा के लोगों को हैरान कर दिया। यह घटना 20 सितंबर 2025 की भारतीय समयानुसार रात 1 बजकर 52 मिनट पर रिकॉर्ड हुई।

आसमान में आग का गोला

प्रत्यक्षदर्शियों समेत वनइंडिया के चीफ सब एडिटर सिद्धार्थ पुरोहित के मुताबिक, अचानक आसमान में चमकदार रोशनी की एक लंबी धार नजर आई, और फिर ऐसा लगा जैसे उल्कापिंड हवा में फट गया हो। यह नजारा दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम, मथुरा और अलीगढ़ समेत कई शहरों में देखा गया। सोशल मीडिया पर इसके कई वीडियो वायरल हो गए, जिनमें आसमान में आग का गोला चमकता और फिर छोटे-छोटे चमकीले टुकड़ों में टूटता दिखाई दे रहा है।

एक्सपर्ट्स ने क्या बताया?

खगोल विज्ञान विशेषज्ञों ने बताया कि यह घटना संभवतः बोलिड थी – यह एक खास प्रकार का उल्कापिंड होता है जो पृथ्वी के वायुमंडल में घुसने के बाद तेज रोशनी के साथ टूट जाता है।

विशेषज्ञों के मुताबिक–

- उल्कापिंड आम तौर पर जमीन पर पहुंचने से पहले ही नष्ट हो जाते हैं।
- इस घटना से किसी भी प्रकार के नुकसान की संभावना नहीं है।

दुर्लभ और रोमांचक नजारा

अमेरिकन मेट्योर सोसाइटी के अनुसार, सितंबर का महीना छोटे उल्कापिंडों के लिए सक्रिय समय होता है। लेकिन इतनी बड़ी आबादी के सामने इतने चमकीले उल्कापिंड का दिखना काफी दुर्लभ है।

कई लोगों ने देखा नजारा

दिल्ली-एनसीआर के कई लोगों ने बताया कि यह चमक कुछ सेकंड के लिए ही थी, लेकिन इतनी तेज थी कि शहर की रोशनी भी फीकी पड़ गई। कुछ लोगों ने हल्की गड़गड़ाहट की आवाज सुनने का भी दावा किया, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई।

किसी नुकसान की रिपोर्ट नहीं

अधिकारियों ने साफ किया है कि इस घटना से कोई नुकसान नहीं हुआ है। आकाश देखने वालों ने इस दृश्य को "लाइफटाइम एक्सपीरियंस" बताया। इस खबर को लिखने वाले पत्रकार सिद्धार्थ घटना के वक्त मथुरा में थे। उन्होंने अपने फोन में भी इस घटना को मथुरा के भीड़-भाड़ वाले इलाके से रिकॉर्ड भी किया।

औद्योगिक पार्कों के मानकीकरण के लिए आईपीआरएस 3.0 आरम्भ

दशक भर से चल रहे 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम की कामयाबी के उत्सव के अवसर पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने आज औद्योगिक पार्कों की दक्षता आंकलन प्रणाली (पीआरएस) 3.0 का नई दिल्ली में उद्घाटन किया। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार प्रोत्साहन विभाग द्वारा एशियन डिवलपमेंट बैंक के सहयोग से तैयार की गई आंकलन प्रणाली का उद्देश्य भारत के औद्योगिक वातावरण को और अधिक मजबूत करना एवं औद्योगिक बुनियादी ढांचे के प्रतिस्पर्धी स्वरूप को विस्तार देना है। श्री गोयल ने बताया कि एनआईसीडीसी के अंतर्गत सरकार 20 'प्लग एंड प्ले' औद्योगिक पार्क एवं स्मार्ट सिटी विकसित कर रही है जिनमें से 4 का निर्माण पूरा भी हो चुका है। उनके अनुसार चार अन्य का निर्माण कार्य तेजी से जारी है और बाकी की निर्माण परियोजना नीलामी एवं टेंडरिंग के विभिन्न चरणों में हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि आईपीआरएस 3.0 को लागू करने से देश भर में औद्योगिक पार्कों में सुविधाओं, बुनियादी ढांचे एवं उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता को मानकीकृत करने एवं उनके आंकलन में सहायता मिलेगी। इस पहल से इसके भागीदारों को भरोसेमंद डेटा/आंकड़े प्राप्त हो पाएंगे, श्रेष्ठ प्रथाओं को प्रोत्साहन मिलेगा तथा विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे के निर्माण में मदद मिलेगी जिससे 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम सुदृढ़ होगा तथा भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता भी बढ़ेगी।

साल 2018 में इसके पायलट/प्रायोगिक चरण और साल 2021 में शुरू किए गए आईपीआरएस 2.0 को आगे बढ़ाते हुए नए पैमानों के साथ तीसरे संस्करण को लागू किया गया है। इसमें वहनीयता, पर्यावरण अनुकूल बुनियादी ढांचा, लॉजिस्टिक संबंधी जुड़ाव, डिजिटल ढांचा, कौशल संपर्क एवं किरायेदारों की समस्याओं की संवेदनशीलता से सुनवाई जैसे तत्व भी शामिल हैं। पीआरएस 3.0 के अंतर्गत औद्योगिक पार्कों का मानकीकरण करके उनका अगुआ, चुनौतीदाता एवं आंकांक्षी के रूप में वर्गीकरण किया जाएगा। यह वर्गीकरण प्रमुख संकेतकों के आंकलन के आधार पर किया जाएगा। इससे निवेशकों को पारदर्शी एवं विश्वसनीय सूचना प्राप्त होगी, राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का बीजारोपण होगा एवं नीति निर्धारकों को लक्ष्यित दखल करने की दृष्टि प्राप्त होगी।

राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों को इस पहल से अपने सर्वश्रेष्ठ कार्यरत पार्कों को निवेशकों के सामने पेश करने का अवसर, सुधार के लिए कमियों को पहचानने, निवेश आकर्षित करने, रोजगार पैदा करने एवं अपने औद्योगिक वातावरण को मजबूत बनाने में सहायता मिलेगी। इस कार्य से भारत और अधिक वहनीय एवं वैश्विक प्रतिस्पर्धी निवेश स्थल के रूप में तेजी से अपनी हपचान बना पाएगा।

'स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) 2025' और विशेष अभियान 5.0 का आयोजन

(जीएनएस)।

आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (एमओएचयूए) और पेयजल और स्वच्छता विभाग (डीडीडब ल यूएस) द्वारा संयुक्त रूप से शुरू किए गए स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) 2025 के 9वें आयोजन (17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक निर्धारित) के उपलक्ष्य में, उपभोक्ता मामले विभाग (डीओसीए) स्वच्छता ही सेवा 2025 के तहत विभिन्न पहल कर रहा है। एसएचएस 2025 का विषय, "स्वच्छोत्सव", इस अवधि की उत्सव भावना को दशार्ता है और इसमें पांच विशेष क्षेत्रों पर ध्‍ यान केंद्रित किया गया हैः

स्वच्छता लक्ष्य इकाइयों (सीटीयू) का रूपांतरणः कठिन, प्रकाश विहीन और उपेक्षित स्थानों को समाप्‍ त करना

स्वच्छ सार्वजनिक स्थानः सार्वजनिक क्षेत्रों में सामान्य सफाई और स्वच्छता गतिविधियाँ

सफाईमित्र सुरक्षा शिविरः स्वास्थ्य जांच और स्वच्छता कार्यकताओं के कल्याण के लिए एकल-खिड़की सेवा, सुरक्षा और सम्मान शिविर

स्वच्छ हरित उत्सवः पर्यावरण-अनुकूल और शून्य-अपशिष्ट उत्सव

स्वच्छता के लिए पहल : स्वच्छ सुजल गांव, अपशिष्ट से कला, स्वच्छ स्ट्रीट फूड, आरआरआर केंद्र, आदि।

इसके अलावा, स्वच्छता को संस्थागत बनाने और सरकारी कार्यालयों में लंबित मामलों को कम करने के लिए प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग द्वारा आयोजित विशेष अभियान 5.0, दो अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2025 तक मनाया जाएगा। अभियान का शुरूआती चरण- 15 सितंबर से शुरू हो गया है और कार्यान्वयन चरण 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2025 तक आयोजित किया जाएगा।

इस अभियान के दौरान, डीओसीए निम्नलिखित लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित कर रहा हैः सांसदों, राज्य सरकारों, अंतर-मंत्रालयी स्रोतों और पीएमओ से लंबित संदर्भों की पहचान। लंबित जन शिकायतों और अपीलों की समीक्षा। स्वच्छता अभियानों के लिए स्थलों का चयन। अनावश्यक सामग्रियों और कचरे का निपटान। रिकॉर्ड और स्थान प्रबंधन। डीओसीए और देश भर में इसके अधीनस्थ/संबद्ध/स्वायत्त कार्यालयों द्वारा पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के दिशानिदेर्शों के अनुसार ई-कचरे का निपटान भी किया जाएगा।

शुरूआती गतिविधियों के एक हिस्‍ से के रूप में, उपभोक्ता मामले सचिव की अध्यक्षता में 16.09.2025 और 17.09.2025 को एसएचएस 2025 और विशेष अभियान 5.0 की तैयारियों का आकलन करने के लिए समीक्षा बैठकें आयोजित की गईं। इससे पहले, उपभोक्ता मामले विभाग के सलाहकार (लागत) की अध्यक्षता में 10.09.2025 को अधीनस्थ/संबद्ध/स्वायत्त कार्यालयों के नोडल अधिकारियों के साथ सक्रिय भागीदारी पर चर्चा करने के लिए एक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग बैठक भी आयोजित की गई थी।

उपभोक्ता मामले विभाग, बीआईएस, एनटीएच, एनसीसीएफ, एनसीडीआरसी और सभी आरआरएसएल के साथ मिलकर इन अभियानों की सफलता सुनिश्चित करने में सक्रिय रूप से हिस्‍ सा ले रहा है। स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि के लिए विभिन्न कार्यालयों में स्वच्छता शपथ दिलाई गई है। इस अभियान के दौरान, अधिकारी और कर्मचारी श्रमदान गतिविधियाँ करेंगे।

स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान का समापन 2 अक्टूबर 2025 (स्वच्छ भारत दिवस) को राष्ट्रव्यापी श्रमदान के साथ होगा, जिसमें महात्मा गांधी की विरासत का सम्मान किया जाएगा और स्वच्छता को जीवन का एक तरीका बनाने के दृष्टिकोण को सुदृढ़ किया जाएगा।

घर लौटी उम्मीद: लखनऊ से शुरू हुई त्राया की ऑफलाइन 'होप स्टोरीज' का पहला अध्याय

लखनऊ, भारत का अग्रणी समग्र हेयर हेल्थ ब्रांड त्राया ने लखनऊ में अपनी डिजिटल सीरीज ह्लहोप स्टोरीजह्ल का पहला ऑफलाइन संस्करण लॉन्च किया। यह सीरीज, जिसकी शुरूआत ऑनलाइन हुई थी, उन वास्तविक कहानियों को साझा करती है जिनमें लोग त्राया के उपचारों से बाल झड़ने की समस्या पर विजय पाते हैं। इसे ऑफलाइन लाने का मकसद ग्राहकों से और गहरा जुड़ाव बनाना है, जिसकी शुरूआत त्राया ने अपने अहम बाजार लखनऊ से की। कई सालों से होप स्टोरीज ऑनलाइन साझा की जाती रही हैं, जिससे प्रेरणा और बदलाव का एक मजबूत समुदाय बना। लखनऊ संस्करण के साथ, त्राया ने उसी गर्मजोशी और प्रामाणिकता को ऑफलाइन रूप दिया, जहां ग्राहकों, मीडिया और इन्फ्लुएंसर्स ने एक साथ मिलकर हिम्मत और पुनर्विकास की सच्ची कहानियों का जश्न मनाया।

आयुर्वेद, न्यूट्रिशन और डमेटीलॉजी को मिलाकर त्राया एक समग्र हेयर हेल्थ ब्रांड के रूप में बाल झड़ने की जड़ वजहों का समाधान करता है। बाल झड़ना एक मौन संघर्ष है, जो कई लोगों के लिए भावनात्मक रूप से थका देने वाला और अलग-थलग कर देने वाला अनुभव होता है। इसी को ध्यान में रखते हुए त्राया ने ह्लहोप स्टोरीजह्ल की शुरूआत की। एक ऐसा मंच, जहां कंपनी के वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित हेयर लॉस ट्रीटमेंट से लाभान्वित असली ग्राहकों की कहानियां साझा की जाती हैं। लखनऊ से शुरू हुए ऑफलाइन इवेंट्स के माध्यम से इन कहानियों को जीवन्त बनाकर त्राया का उद्देश्य अपनी कम्युनिटी से और गहरा व्यक्तिगत जुड़ाव बनाना है और दूसरों को यह दिखाना है कि बदलाव न केवल संभव है, बल्कि वह हो रहा है।

अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए त्राया की फाउंडर सलोनी आनंद ने कहा, ह्लत्राया होप स्टोरीज के पहले ऑफलाइन संस्करण की मेजबानी करना मेरे लिए बेहद विनम्र और यादगार अनुभव रहा। हमें जो प्यार और ऊर्जा सीधे लोगों से मिली, उसने एक बार फिर यह साबित किया कि त्राया का अस्तित्व क्यों है, ताकि हम अपने ग्राहकों को हमेशा केंद्र में रख सकें। इन ऑफलाइन कनेक्शनों के माध्यम से हमारा उद्देश्य और अधिक ज़िंदगियां बदलना और दूसरों को प्रेरित करना है। त्राया का थ्री-साइंस अप्रोच केवल हेयर लॉस को हल करने के लिए नहीं है, बल्कि यह लोगों को उनका आत्मविश्वास वापस दिलाने और खुद से फिर से जुड़ने में मदद करने का प्रयास है, खासकर तब, जब बालों का स्वास्थ्य हाथ से निकलता हुआ महसूस होता है ह्ल

पिछले कुछ वर्षों में त्राया ने भारत में हेयर लॉस ट्रीटमेंट को देखने का नजरिया ही बदल दिया है। पारंपरिक रूप से इस क्षेत्र में देखभाल बिखरी हुई थी। लोगों को डमेटीलॉजी, आयुर्वेद या न्यूट्रिशन में से किसी एक को चुनना पड़ता था, क्योंकि एकीकृत समाधान उपलब्ध नहीं था। त्राया ने सबसे पहले एक यूनिक तीन विज्ञान दृष्टिकोण शुरू किया, जो आधुनिक डमेटीलॉजी, आयुर्वेदिक ज्ञान और न्यूट्रिशन सपोर्ट को एक साथ मिलाकर एक व्यक्तिगत और परिणाम-केंद्रित योजना प्रदान करता है। हर सफर एक साधारण ऑनलाइन हेयर टेस्ट से शुरू होता है, जो मूल कारणों की पहचान करता है। चाहे वह तनाव हो, आंतों का स्वास्थ्य, नींद का चक्र या हार्मोनल असंतुलन। इन जानकारियों के आधार पर, त्राया एक कस्टमाइज्ड किट तैयार करता है और पूरे सफर में एक्सपर्ट हेयर कोच के जरिए लगातार मार्गदर्शन भी देता है। इस अनोखे संयोजन ने न केवल लाखों लोगों के लिए ट्रीटमेंट को सुलभ बनाया है, बल्कि पारंपरिक तरीकों की तुलना में इसे तीन गुना अधिक प्रभावी भी सिद्ध किया है।

अन्य शहरों की तुलना में लखनऊ ने अलग पैटर्न दिखाए हैं। त्राया के आंतरिक शोध के अनुसार, भारत में लगभग 95% लोग बालों से जुड़ी समस्याओं के लिए कभी पेशेवर मदद नहीं लेते और सालों तक घरेलू नुस्खों पर निर्भर रहते हैं, जब तक कि उन्हें कोई व्यवस्थित समाधान न मिल जाए। हालांकि, लखनऊ की खासियत यह है कि यहां के ग्राहक एक बार त्राया के साथ ट्रीटमेंट शुरू करने के बाद बेहद अनुशासित रहते हैं। यहां के यूजर्स न सिर्फ.लगातार ट्रीटमेंट का पालन करते हैं, बल्कि सक्रिय रूप से अपने हेयर कोचेज से सपोर्ट लेते हैं और अपनी योजनाओं के प्रति लंबी अवधि की प्रतिबद्धता दिखाते हैं। यही समर्पण त्राया की कुछ सबसे मजबूत सक्सेस स्टोरीज में बदल गया है और पिछले 2झ3 साल में लखनऊ को इसके सबसे तेजी से बढ़ते टियर-2 बाजारों में से एक बना दिया है।

भारत में हेयर हेल्थ अब स्किनकेयर और फिटनेस की तरह एक मुख्यधारा की वेलनेस चिंता के रूप में उभर रही है। बढ़ती जागरूकता और समय पर हस्तक्षेप के चलते लोग अब अस्थायी समाधानों से हटकर समग्र और रूट-कॉज ड्रिवन समाधानों की ओर बढ़ रहे हैं। आने वाले पांच साल में यह बदलाव और भी स्पष्ट हो जाएगा, और त्राया इस परिवर्तन की अगुवाई कर रहा है। ऐसे संवादों को आगे बढ़ाकर जो हेयर लॉस ट्रीटमेंट को सेल्फ-केयर का एक सामान्य और स्वाभाविक हिस्सा बनाने में मदद करते हैं।

सेनहाइजर ने अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल के लिए स्पेशल ऑफर्स की घोषणा की

लखनऊ। सेनहाइजर, ऑडियो इनोवेशन में ग्लोबल लीडर, ने 23 सितंबर से शुरू होने वाली आगामी अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल सेल 2025 के लिए अपने प्रीमियम प्रोडक्ट लाइनअप पर स्पेशल ऑफर्स देने की घोषणा की है। ग्राहक प्रोफाइल वायरलेस, मोमेंटम 4 वायरलेस, मोमेंटम ट्रू वायरलेस 4, एचडी 490 प्रो प्लस स्टूडियो हेडफोन, एएमबीईओ साउंडबार मिनी और प्रोफाइल यूएसबी माइक्रोफोन सहित टॉप सेनहाइजर प्रोडक्ट्स पर आकर्षक छूट का लाभ उठा सकते हैं। इसके अलावा, खरीदार चुनिंदा बैंक कार्ड पर नो कॉस्ट ईएमआई विकल्पों और एडीशनल ऑफर्स का लाभ उठा सकते हैं। ये ऑफर्स ग्राहकों को त्योहारी सीजन के दौरान अपने ऑडियो अनुभव को बेहतर बनाने का एक बेहतरीन अवसर प्रदान करते हैं।

क्रिएटर का मल्टी-टूल, प्रोफाइल वायरलेस, आसानी और सुविधा के लिए डिजाइन किया गया है। चाहे आप इसे कैमरे, लैपटॉप, फोन से कनेक्ट कर रहे हों या डेस्कटॉप माइक की तरह इस्तेमाल कर रहे हों, यह कॉम्पैक्ट सिस्टम कम से कम मेहनत में हाई-क्वालिटी ऑडियो कैप्चर करने के लिए जरूरी हर चीज से लैस है। दो-चौनल 2.4 गीगाहट्र्ज गीगा रिसीवर, दो क्लिप-ऑन माइक्रोफोन और माउंटिंग एक्सेसरीज सहित सभी प्रमुख पुर्जे अल्ट्रा-पोर्टेबल चार्जिंग बार में स्टोर होते हैं, जो हैंडहेल्ड इंटरव्यू माइक का भी काम करता है। 1-चैनल और 2-चौनल दोनों सेट में उपलब्ध, यह सोलो क्रिएटर्स और वीडियोग्राफर्स, दोनों के लिए एक बेहतरीन ऑल-इन-वन माइक्रोफोन सिस्टम है। ग्रेट इंडिया फेस्टिवल सेल के दौरान यह उत्पाद 17प्रतिशत की छूट के साथ सिर्फ 24,990 में उपलब्ध है।

सेनहाइजर के प्रमुख मोमेंटम 4 वायरलेस कॉपर के साथ अपने ऑडियो अनुभव को बेहतर बनाएं। सटीक 42एमएम ट्रांसड्यूसर से निर्मित, ये प्रीमियम हेडफोन बेमिसाल क्लेयिरटी यानि स्पष्टता और विस्तृत डिटेल के साथ सेनहाइजर की सिग्नेचर साउंड प्रदान करते हैं। इनमें अडैप्टिव नॉइज कैंसलेशन, ट्रांसपेरेंसी मोड और 60 घंटे तक की बैटरी लाइफ है। हल्के, एर्गानॉमिक डिजाइन में, ये हेडफोन लंबे समय तक आराम के लिए अल्ट्रा-सॉफ्ट ईयर कुशन के साथ आते हैं। स्मार्ट कंट्रोल ऐप पर्सनल साउंड सेटिंग्स की भी सुविधा देता है, जबकि स्मार्ट पॉज और ऑटो ऑन/ऑफ जैसे सहज फीचर उपयोग को और आसान बनाती हैं। 20,990 की विशेष कीमत पर उपलब्ध, इस ऑफर में अमेजन पर हर खरीदारी पर एक कॉम्पलीमेंट्री बीटीडी बीटीडी 600 डोंगल शामिल है, साथ ही अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल सेल के दौरान चुनिंदा बैंक कार्ड पर अतिरिक्त छूट भी शामिल है।

पॉडकास्टर्स, स्ट्रीमर्स और गेमर्स जो कम से कम सेटअप में क्रिस्टल-क्लियर ऑडियो चाहते हैं, उनके लिए प्रोफाइल यूएसबी माइक्रोफोन एकदम सही है। यूएसबी-सी कनेक्टिविटी के साथ, यह सीधे आपके कंप्यूटर से कनेक्ट हो जाता हैकृकिसी अतिरिक्त उपकरण की जरूरत नहीं। इसका कार्डियोइड कंडेनसर कैप्सूल बैकग्राउंड नॉइज को कम करते हुए आपकी आवाज को साफ तौर पर कैप्चर करता है। एडजस्टेबल टिल्ट और वैकल्पिक बूम आर्म आइडियल पोजिशनिंग सुनिश्चित करते हैं। अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल सेल के दौरान 40 प्रतिशत छूट के साथ 10,090 में उपलब्ध।

बिहार के मंत्री अशोक चौधरी और सांसद बेटी शांभवी के पास कितनी संपत्ति, पीके का दावा- 200 करोड़ तो 2 साल में बना लिए

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले राज्य की राजनीति में एक बार फिर बवाल मच गया है। जन सुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर (PK) ने इस बार सीधा वार किया है मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबी और जेडीयू के कद्दावर मंत्री अशोक चौधरी पर। प्रशांत किशोर का आरोप

है कि चौधरी परिवार ने सिर्फ दो साल में 200 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति खड़ी कर ली है।

बिहार की सियासत में नेताओं की संपत्ति हमेशा चर्चा का विषय रही है। इस बार पीके ने अशोक चौधरी और उनकी बेटी शांभवी को कठघरे में खड़ा कर दिया है। ऐसे में आइए जानते हैं कि प्रशांत किशोर ने क्या-क्या आरोप लगाए हैं और जिनपर आरोप लगे हैं उनकी संपत्ति कितनी है।

पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए 19 सितंबर को प्रशांत किशोर ने दावा किया कि अशोक चौधरी ने न सिर्फ खुद, बल्कि उनकी सांसद बेटी शांभवी चौधरी, दामाद सायन कुणाल और समधन अनिता कुणाल के नाम पर भी करोड़ों की जमीनें खरीदी हैं।

पुलिस ने दबोचा मादक पदार्थ तस्कर : भारी मात्रा में गांजा बरामद

मथुरा (जीएनएस)। थाना जमुनापार क्षेत्र स्थित पैंठ रोड़ से पुलिस ने एक मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार एसआई सत्येन्द्र सिंह पुलिस टीम के साथ वांछित अपराधियों की तलाश में जुटे हुए थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली राजेश्वरी मंदिर से पैंठ की ओर एक मादक पदार्थ तस्कर जाने वाला है। सूचना मिलते ही एसआई सत्येन्द्र सिंह पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। उसी दौरान वहां होकर जा रहे मादक पदार्थ तस्कर विष्णु पुत्र माधव प्रसाद निवासी गांव विशनगंज थाना जमुनापार को घेरकर दबोच लिया। पुलिस ने पकड़े गए तस्कर की तलाशी ली तो उसके कब्जे से 1 किलो 200 ग्राम गांजा बरामद हुआ है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

युवा मरीज में 8 सेंटीमीटर के रेयर एओर्टिक टियर का मैक्स अस्पताल, लखनऊ, में 'फ्रोजन एलीफेंट ट्रंक' सर्जरी से हुआ सफल इलाज

लखनऊ, सितम्बर 20, 2025: मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, लखनऊ, के डॉक्टरों ने प्रयागराज के 27 वर्षीय युवक पर 'फ्रोजन एलीफेंट ट्रंक' प्रोसिजर का इस्तेमाल कर एक असाधारण और जटिल सर्जरी करी, जिसमे एसेन्डिंग एओर्टा और एओर्टिक आर्च का रिप्लेसमेंट, ब्रेन आर्टरी की डिब्रांचिंग की गई और डिसेन्डिंग थोरेसिक एओर्टा के लिए एओर्टिक-स्टेंटेड हाइब्रिड ग्राफ्ट लगाया गया। मरीज में लगभग 8 सेंटीमीटर की बड़ी एओर्टिक डिसेक्शन पाई गई थी, जो एओर्टिक रूट से लेकर एब्डॉमिनल एओर्टा तक फैली हुई थी। यदि इलाज न होता तो यह किसी भी समय फट सकती थी और तुरंत मृत्यु हो सकती थी।

डॉ. विजयंत देवेनराज, डायरेक्टर और हेड ऑफ डिपार्टमेंट, कार्डियोथोरेसिक एवं वैस्कुलर सर्जरी (सीटीवीएस), मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, लखनऊ, के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ने लगभग 7 घंटे चली इस मैराथन सर्जरी को अंजाम दिया। इसमें पूरे शरीर - दिल, दिमाग, किडनी, लिवर आदि का ब्लड सकुर्लेशन रोकना पड़ा। इस दौरान मरीज के शरीर का तापमान ह्लडीप हाइपोथर्मिक टोटल सक्युर्लेटरी अरेस्टह्ल (डीएचसीए) के जरिए 18 डिग्री सेल्सियस तक ठंडा किया गया और फिर सर्जरी की गई।

मरीज आलोक, को लगभग पाँच महीने से सीने में दर्द और सांस फूलने की समस्या थी, जिसे उन्होंने ऐसिडिटी या सीने में जकड़न समझकर नजरअंदाज कर दिया। स्थिति बिगड़ने पर परिवार ने उन्हें मैक्स अस्पताल में दिखाया, जहाँ जांच और सीटी एओर्टोग्राम से यह खतरनाक एओर्टिक डिसेक्शन की कंडीशन सामने आई। डॉक्टरों ने यह भी आशंका जताई कि उन्हें मार्फन सिंड्रोम हो सकता है झ यह एक जन्मजात कनेक्टिव टिशू डिसॉर्डर है, जिससे ऐसी वैसकुलर समस्या हो सकती हैं।

मामले की जानकारी देते हुए डॉ. विजयंत देवे¨नराज, ने कहा, ह्लमरीज आलोक को महीनों से लक्षण थे, लेकिन उन्होंने इसे गैस या सीने की जकड़न समझा। जब सीने का तेज दर्द और सांस की गंभीर समस्या लगातार बनी रही, तो परिवार के लोग उन्हें विशेषज्ञ देखभाल के लिए मैक्स लेकर आए। उनकी कम उम्र के कारण यह एक असाधारण और कठिन मामला था। उनकी एओर्टिक रूट से लेकर एब्डॉमिनल एओर्टा तक एक 8 सेमी का डिसेक्शन पाया गया जो गुर्दे की धमनियों से ठीक पहले था, साथ ही दिमाग, सीने और पेट के मुख्य अंगों को खून पहुंचाने वाली आर्टरीज को प्रभावित कर रहा था। हमने एक असामान्य और जटिल हाइब्रिड सर्जरी ह्लफ्रोजन एलीफेंट ट्रंकह्ल करने का तय किया। ये नाम इसके शेप की वजह से मिला है। इस सर्जरी में हमने ऐओर्टा के जिस हिस्से में नुकसान पहुंचा था उसे रिप्लेस किया, एसेन्डिंग एओर्टा और एओर्टिक आर्च और ब्रेन आर्टरीज का पूरा रिप्लेसमेंट,और डिसेन्डिंग थोरेसिक एओर्टा में एओर्टिक-स्टेंटेड हाइब्रिड ग्राफ्ट लगाया और ये सब एक ही ऑपरेशन में किया गया ह्ल

सर्जरी के बारे में आगे बताते हुए डॉ. देवे¨नराज, ने कहा, ह्लदिल और मुख्य आर्टरीज पर सुरक्षित काम के लिए मरीज के शरीर को लगभग 18 डिग्री सेल्सियस तक ठंडा किया गया और लगभग 35झ40 मिनट तक पूरे शरीर का ब्लड सकुर्लेशन रोका गया। इस तकनीक से गंभीर एओर्टिक आर्च रोगों में सर्जरी की सहूलियत मिलती है। सर्जरी लगभग 7 घंटे चली। इसमें एसेन्डिंग एओर्टा का रिप्लेसमेंट और आर्च वेसल्स की डिब्रांचिंग और स्टेंटेड ग्राफ्टिंग की गई। साथ ही ब्रेन आर्टरीज को फिर से जोड़ा गया।

सर्जरी के बाद मरीज को आईसीयू में शिफ्ट किया गया और दो दिनों तक वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया। इतने बड़े और जटिल ऑपरेशन के बावजूद ब्लड लॉस बहुत कम रहा और स्वस्थ होने की प्रक्रिया सरल रही। मरीज को सर्जरी के दस दिन बाद स्वस्थ अवस्था में छुट्टी दे दी गई।

इस सफल मामले से पता चलता है कि मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, लखनऊ को दिल और वैस्कुलर कंडीशन के सबसे जटिल मामलों का इलाज बेहतरीन तकनीक और कुशल सर्जरी से सटीक ढंग से करने में विशेषज्ञता हासिल है।

छाता पुलिस ने अवैध असलाह समेत एक बदमाश दबोचा

मथुरा (जीएनएस)। थाना छाता क्षेत्र स्थित छाता-गोवर्धन फलाईओवर के पास से पुलिस ने एक बदमाश को अवैध असलाह समेत गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी छाता कमलेश सिंह और कस्बा चौकी प्रभारी राहुल चौधरी पुलिस टीम के साथ वांछित अपराधियों की तलाश में संदिग्धों की चेकिंग कर रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि छाता-गोवर्धन फ्लाईओवर के नीचे एक बदमाश अवैध हथियार लेकर खड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी कमलेश सिंह और कस्बा चौकी प्रभारी राहुल चौधरी पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को देखते ही वहां पहुंच बदमाश भागने लगा। पुलिस टीम ने भागने का प्रयास कर रहे शातिर बदमाश नीरज पुत्र

राजपाल निवासी हरनाथिया थोक कस्बा छाता को घेरकर दबोच लिया। पुलिस ने पकड़े गए शातिर के कब्जे से एक तमंचा और कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

जमुनापार पुलिस ने अवैध हथियार समेत एक बदमाश पकड़ा

मथुरा (जीएनएस)। थाना जमुनापार क्षेत्र स्थित बरेली हाईवे के निकट शाहपुर रोड़ से पुलिस ने एक बदमाश को अवैध असलाह समेत गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार एसआई नरेन्द्र सिंह पुलिस टीम के साथ संदिग्धों की चेकिंग कर रहे थे। उसी दौरान मुखबिर की सूचना मिलने पर बरेली हाईवे के निकट शाहपुर रोड़ से पुलिस ने अवैध हथियार लेकर जा रहे धर्मवीर उर्फ जान पुत्र पप्पू निवासी गांव लोहवन थाना जमुनापार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पकड़े गए शातिर के कब्जे से एक तमंचा और कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

बोल्ड आउटडोर विजन के साथ ओएम सिस्टम ने ओलिंपस की विरासत को आगे बढ़ाया, भारत में दो नए इमेजिंग प्रोडक्ट्स लॉन्च किए

भारत में ओएम-5 मार्क क्क कैमरा और एम. जुइको डिजिटल ईडी 50-200 एमएम एफ2.8 आईएस प्रो लेंस की लॉन्चिंग के साथ बढ़ाई त्योहारी सीजन की खुशियां - कॉम्पैक्ट पावर और अत्याधुनिक ऑप्टिक्स सिग्नल के साथ भारत की फोटोग्राफी कम्युनिटी पर विशेष फोकस

नई दिल्ली, : इमेजिंग टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी और ओलिंपस की 85 साल की विरासत पर गठित ओएम सिस्टम ने आज भारत में अपने दो प्रोडक्ट्स लॉन्च करने का एलान किया। वाइल्डलाइफ, मैक्रो, बर्डिंग, लैंडस्केप, ट्रैवल और स्ट्रीट एंड अर्बन फोटोग्राफी के लिए डिजाइन किए गए दोनों प्रोडक्ट ओएम-5 मार्क क्क इंटरचेंजेबल लेंस कैमरा (डट-5 टं१' क्क-ल्लइशूँल्लुँ ी ील्लर ़ी१) और एम. जुइको डिजिटल ईडी 50-200 एमएम एफ2.8 आई प्रो लेंस (ट.वक्कड उक्क्रक्कळअछ एऊ50-200 ऋ2.8 कर ढफ्ड ील्लर) हैं। यह लॉन्चिंग भारत पर ओएम सिस्टम के फोकस की दिशा में उल्लेखनीय पड़ाव हैं। कंपनी भारत को एशिया प्रशांत क्षेत्र में स्ट्रेटजिक डेवलपमेंट हब के तौर पर देखती है। कंपनी आउटडोर फोटोग्राफी के शौकीन लोगों को सशक्त करते हुए, डीलर इकोसिस्टम को मजबूत करते हुए और लॉन्ग टर्म इनोवेशन के माध्यम से भारत में अपनी मौजूदगी को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। इससे कंपनी के ग्लोबल विजन में भारत की भूमिका मजबूत होगी।

त्योहारी सीजन के दौरान लॉन्च किया गया ओएम-5 मार्क क्क एक इंटरचेंजेबल लेंस कैमरा है, जिसे ऐसे आउटडोर क्रिएटर्स को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है, जो रिलायबिलिटी, पोर्टबिलिटी और परफॉर्मेंस चाहते हैं। ओएम-5 सीरीज की भरोसेमंद विरासत पर तैयार मार्क क्क में विभिन्न क्रिएटर्स से मिले फीडबैक के आधार पर अपग्रेड किए

गए हैं। कॉम्पैक्ट, लाइटवेट और स्प्लैश, डस्ट एवं फ्रीजप्रूफ प्रोटेक्शन (आईपीएक्स53, -10 डिग्री सेल्सियस तक) के साथ तैयार ओएम-5 मार्क क्क को हर तरह की परिस्थिति को ध्यान में रखकर बनाया गया है। अपनी कैटेगरी में अग्रणी 5-एक्सिस इमेज स्टेबिलाइजेशन और सुपीरियर एर्गोनॉमिक्स के लिए रीडिजाइन्ड ग्रिप इसके कुछ प्रमुख अपग्रेड में से हैं।

नया एम. जुइको डिजिटी ईडी 50-200 एमएम एफ2.8 आईएस प्रो एक अनूठा सुपर टेलीफोटो जूम लेंस है, जो फोटोग्राफी का खास अनुभव देता है। एफ2.8 अपर्चर के साथ 100-400 एमएम (35 एमएम इक्विवेलेंट) फोकल रेंज की वाइड कवरिंग के साथ यह लार्ज डायमीटर लेंस इमेजिंग की दुनिया में नए मानक स्थापित करेगा। माइक्रो फोर थर्ड सिस्टम स्टैंडर्ड के कम्प्लायंस के हिसाब से डिजाइन किया गया यह मॉडल ओएम सिस्टम के इमेजिंग प्रोडक्ट्स की शान बढ़ाएगा। पूरी जूम रेंज में रिजॉल्यूशन से कोई समझौता किए बिना फोटोग्राफी करने के लिए तैयार यह लेंस 5-एक्सिस सिंक आईएस के लिए पूरी तरह से कम्पैटिबल है। इसकी मदद से एक्स्ट्रीम फोकल लेंथ पर भी बेहतर शूटिंग संभव होगी।

भारत के प्रति ओएम सिस्टम की प्रतिबद्धता को मजबूती देते हुए ओएम डिजिटल सॉल्यूशंस कॉरपोरेशन के सीईओ श्री शिगेमी सुगीमोतो ने कहा, ह्लभारत के लिए हमारा विजन एक मजबूत इकोसिस्टम पर आधारित है। ऐसा इकोसिस्टम जो अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी के साथ फोटोग्राफर्स को सशक्त करे, क्रिएटिविटी को बढ़ावा दे और हमारे चैनल एवं डीलर पार्टनर्स को लंबी अवधि में सफलता की राह पर ले जाए। यहां अपार संभावना है और नई लॉन्चिंग यहां ज्यादा निवेश, इनोवेशन एवं कम्युनिटी एंगेजमेंट की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। भारत सिर्फ ग्रोथ मार्केट नहीं है, बल्कि हमारे ग्लोबल रोडमैप के लिए रणनीतिक पार्टनर भी है ह्ल

ओएम सिस्टम के वाइस प्रेसिडेंट - एपीएसी प्रमुख/ मैनेजिंग डायरेक्टर श्री विवेक हांडू ने कहा, ह्लओएम-5 मार्क क्क और नए प्रो लॉन्ग जूम लेंस की लॉन्चिंग भारत में ओएम सिस्टम के लिए अहम कदम है। इनसे आउटडोर इमेजिंग में हमारी नेतृत्वकारी स्थिति मजबूत होगी और भारत में तेजी से बढ़ते मिररलेस कैमरा सेगमेंट में तेजी से विकास करने के नए रास्ते खुलेंगे। हमारा मानना है कि इनकी लॉन्चिंग से न केवल बाजार में हमारी स्थिति मजबूत होगी, बल्कि भारतीय फोटोग्राफर्स में क्रिएटिविटी की नई लहर को बढ़ाने में भी मदद मिलेगी ह्ल

फोटोग्राफी की संस्कृति को बढ़ावा देते हुए ओएम सिस्टम ने अपनी वार्षिक एपीएसी फोटोग्राफी प्रतिस्पर्धा का एलान भी किया है। इसमें उपभोक्ताओं को वैश्विक मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलता है। हर साल अक्टूबर से जनवरी के बीच इसका आयोजन होता है और मार्च में नतीजे घोषित किए जाते हैं।

14.150 एमएम के साथ ओएम-5 मार्क क्क को 1,39,990 रुपये की कीमत पर 18 सितंबर, 2025 से उपलब्ध कराया जा रहा है। फेस्टिव लॉन्च ऑफर के तौर पर इसके साथ कॉम्प्लिमेंटरी के तौर पर 14,990 रुपये का 10 बाई 50 बाइनोकुलर्स भी दिया जाएगा। 3,29,990 रुपये कीमत वाले एम. जुइको डिजिटल ईडी 50-200 एमएम एफ2.8 आईएप प्रो लेंस को 1 अक्टूबर, 2025 से ऑर्डर पर उपलब्ध कराया जाएगा। इन लॉन्चिंग के साथ ओएम सिस्टम ने ओलिंपस के बाद भरोसे की इसकी विरासत का नया अध्याय शुरू किया है।